वर्ष 24, अंक 169, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

# अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार 28 दिसंबर 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

## 6 महीने में ईशनिंदा के बहाने हिंदुओं पर 71 हमले,

### रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासे

**बांग्लादेश**

**बांग्लादेश** अल्पसंख्यक मानवाधिकार कांग्रेस (एचआरसीबीएम) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, जून से दिसंबर 2025 के बीच बांग्लादेश भर में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ ईशनिंदा के आरोपों से जुड़ी कम से कम 71 घटनाएं दर्ज की गईं। ये निष्कर्ष पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ भारत द्वारा वर्णित लगातार शत्रुता को लेकर बढ़ती चिंता के बीच आए हैं। एचआरसीबीएम की रिपोर्ट में रंगपुर, चांदपुर, चटोग्राम, दिनाजपुर, लालमोनिरहाट, सुनामगंज, खुलना, कोमिला, गाजीपुर, तंगेल और सिलहट सहित 30 से अधिक जिलों के मामलों का दस्तावेजीकरण किया गया है। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि इन मामलों का प्रसार और समानता अलग-थलग घटनाओं की बजाय धार्मिक रूप से गढ़े गए आरोपों के प्रति अल्पसंख्यकों की व्यवस्थित संवेदनशीलता की ओर इशारा करते हैं।

गिरफ्तारियां और भीड़ हिंसा

रिपोर्ट के अनुसार, ईशनिंदा के आरोपों के चलते अक्सर पुलिस कार्रवाई, भीड़ हिंसा और सामूहिक दंड जैसी घटनाएं हुईं। 19 जून, 2025 को, पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी के आरोप में तमाल बैद्य (22) को अगलझारा, बारीसाल में गिरफ्तार किया गया। ठीक तीन दिन बाद, इसी तरह के आरोपों के बाद शांतो सूत्रधार (24) को मतलाब, चांदपुर में विरोध प्रदर्शनों और अशांति का सामना करना पड़ा। सबसे हिंसक घटनाओं में से एक 27 जुलाई को दर्ज की गई, जब रंजन रॉय (17) को रंगपुर के बेतगरी यूनियन में गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी के बाद, 22 हिंदू घरों में तोड़फोड़ की गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कैसे आरोप अक्सर व्यक्ति विशेष तक सीमित न रहकर पूरे समुदाय को निशाना बनाते हैं।

कुल मिलाकर, रिपोर्ट में जून 2025 से दिसंबर 2025 के बीच हुई 71 अलग-अलग घटनाओं का उल्लेख है, जिनमें पुलिस द्वारा गिरफ्तारी और एफआईआर, भीड़ द्वारा मारपीट, हिंदू घरों में तोड़फोड़, शिक्षण संस्थानों से निलंबन और निष्कासन, और भीड़ के हमलों के बाद हुई मौतें शामिल हैं।

## मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया पूरी हुई, कट सकते हैं 2.89 करोड़ नाम

**उत्तर प्रदेश**

**उत्तर प्रदेश** में मतदाता सूची की गहन विशेष संशोधन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अंतिम आंकड़े और मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को जारी किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, राज्य में लगभग 2.89 करोड़ मतदाताओं को अपुनर्प्राप्त श्रेणी में रखा गया है, जिसका अर्थ है कि उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इससे पहले, उत्तर प्रदेश में कुल लगभग 15.44 लाख पंजीकृत मतदाता थे। विशेष मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया की अंतिम तिथि के बाद, लगभग 2.89 करोड़ मतदाताओं, यानी कुल मतदाताओं के लगभग 18.7 प्रतिशत, के नाम शामिल नहीं किए जा सके। अकेले राज्य की राजधानी लखनऊ में ही मतदाताओं की संख्या में लगभग 12 लाख की कमी आई है। जिन मतदाताओं के नाम कट सकते हैं, वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत व डुप्लीकेट

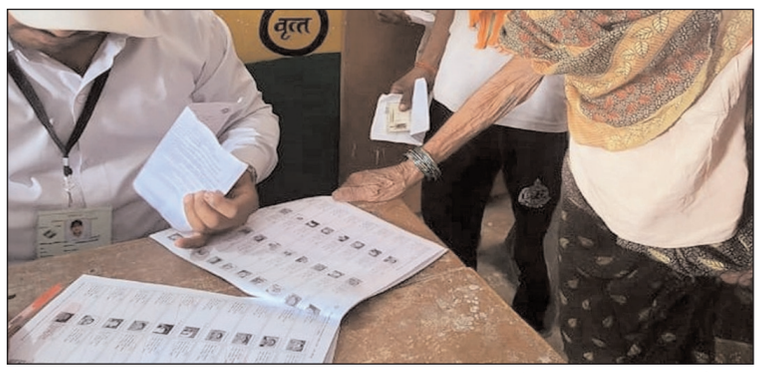

श्रेणी में शामिल है। अब 31 दिसंबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन होगा। जिन जिलों में सबसे ज्यादा नाम कट रहे हैं उनमें लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज, कानपुर, आगरा व बरेली के सबसे ज्यादा है।

1.11 करोड़ मतदाताओ के नहीं मिले रेकॉर्ड

मतदाता सूची में दर्ज 1.11 करोड़ मतदाताओं के रेकॉर्ड नहीं मिल रहे हैं। वर्ष 2003 की मतदाता सूची में न तो इनके और न ही इनके माता-पिता या बाबा-दादी के नाम मिले है। यह कुल मतदाताओं का करीब 7% है। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद इन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नोटिस देंगे। इन्हें भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अनुमन्य 12 प्रमाण पत्रों में से एक देना होगा। आधार कार्ड अकेले मान्य नहीं होगा। इसके साथ कोई दूसरा प्रमाण पत्र भी लगाना होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के मुताबिक गणना प्रपत्र जमा करने की आखिरी तारीख सूची का प्रकाशन होगा। इसके बाद 31 दिसंबर से 30 जनवरी तक दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। 31 दिसंबर से 21 फरवरी तक उन मतदाताओं को नोटिस दिए जाएंगे जिनके रेकॉर्ड नहीं मिल पाए हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 28 फरवरी को होगा।

मतदाता सूची में नाम नही, तो फॉर्म-6 भर सकते है

जिनका नाम वर्ष 2025 की मतदाता सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर मतदाता बन सकते है। जिनके पास गणना प्रपत्र आया था लेकिन वह किन्हीं कारणों से भर नहीं सके तो वे भी फॉर्म-6 भरकर मतदाता बन सकते है।

## 217 करोड़ देने को तैयार, महाठग सुकेश अदिति सिंह को कोर्ट में सेटलमेंट ऑफर दिया

**नई दिल्ली**

जेल में बंद आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के समक्ष एक आवेदन दायर कर शिकायतकर्ता अदिति सिंह को 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के मामले में 217 करोड़ रुपये देने की पेशकश की है। यह आवेदन उनके वकील अनंत मलिक के माध्यम से दायर किया गया है और इसमें स्पष्ट किया गया

है कि यह पेशकश चंद्रशेखर के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना की गई है और इसे अपराध स्वीकार करना नहीं माना जाएगा। मामले की सुनवाई 3 जनवरी, 2026 को होनी है। आवेदन में पक्षों को नई दिल्ली के लोधी कॉलोनी स्थित विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर समझौता करने की अनुमति मांगी गई है।

न्यायिक हिरासत में रह रहे चंद्रशेखर ने अदालत से शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करने और यह दर्ज करने का आग्रह किया है कि समझौता प्रस्ताव वास्तविक है और उनकी सहमति के अधीन है।

## 'कैबिनेट से पूछे बिना PMO ने खत्म किया मनरेगा'

### राहुल गांधी बोले- नोटबंदी जैसा विनाशकारी फैसला

**नई दिल्ली**

**दिल्ली** में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक का आयोजन हुआ. इसमें कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव केसी वेणुगोपाल, लोकसभा सांसद शशि थरूर, जयराम रमेश, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू समेत कई दिग्गज नेता शामिल हुए.

बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म करने का फैसला सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय ने किया. ऐसा करते समय कैबिनेट एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से विचार-विमर्श नहीं किया गया.

राहुल गांधी ने उहउ की बैठक के बाद कहा, 'मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं थी, बल्कि यह अधिकार आधारित परिकल्पना थी. योजना को खत्म करना इस परिकल्पना पर आक्रमण है.' नेता विपक्ष ने इस फैसले को नोटबंदी की तरह विनाशकारी बताया.

PMO से लिया गया फैसलाः राहुल गांधी

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का कदम देश के संघीय ढांचे कर हमला और सत्ता एवं वित्तीय व्यवस्था का केंद्रीकरण है. मंत्री शिवराज और कैबिनेट से बिना पूछे यह निर्णय लिया गया है. सीधा प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा यह निर्णय लिया गया।

## 'कानून से नहीं डरते ऐसे नेता', सेंगर की जमानत पर बृजभूषण के समर्थन से भड़कीं उन्नाव रेप पीड़िता

**नई दिल्ली**

दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उन्नाव रेप मामले में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत दिए जाने के मामला तूल पकड़ता दिख रहा है. इस जमानत का समर्थन करने वाले बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बयान पर अब उन्नाव रेप पीड़िता ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. पीड़िता ने एबीपी न्यूज से बातचीत में सीधे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे नेता सरकार और कानून से नहीं डरते.

उन्नाव रेप पीड़िता ने बृजभूषण शरण सिंह के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यह कहना चाहती हैं कि यह आपका नेता है, जो आपसे भी नहीं डरता. पीड़िता के अनुसार बृजभूषण शरण सिंह खुलेआम कहते हैं कि उन्हें सरकार से कोई डर नहीं है और सरकार उनके लिए जीरो है. उन्होंने दावा किया कि चाहें तो वह करोड़ों रुपए देकर योगी आदित्यनाथ को खत्म कर सकते हैं. पीड़िता ने कहा कि बृजभूषण शरण सिंह बलात्कारी कुलदीप सिंह सेंगर को बचाना चाहते हैं.

उन्नाव रेप पीड़िता ने स्पष्ट किया कि तमाम दबाव और बयानों के बावजूद उन्हें अदालत पर पूरा भरोसा है।

## सिंधु-सिंधु चिल्लाते रह गए शहबाज-मुनीर

### भारत ने ले लिया एक और बड़ा फैसला; पाकिस्तान की निकल जाएगी हेकड़ी!

**जम्मू-कश्मीर**

**जम्मू-कश्मीर** के पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने दो तरह से आतंक को पनाह देने वाले पाकिस्तान पर चोट पहुंचाई. भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पीओके और पाकिस्तान में बने आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया तो वहीं नई रणनीति अपनाते हुए भारत ने सिंधु जल समझौते को सस्पेंड कर दिया, जिसके बाद पाकिस्तान ने कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत से पानी के लिए गुहार लगाई. हालांकि

बिलावल भुट्टो सरीखे पाकिस्तान के कई नेता भारत को परमाणु हमले की धमकी भी देते रहे. अब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाते हुए एक और बड़ी परियोजना को मंजूरी दे दी है, जिससे पड़ोसी देश की रही-बची हेकड़ी भी निकल जाएगी.

भारत के पर्यावरण मंत्रालय की एक समिति ने जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की दुलहस्ती जलविद्युत परियोजना के द्वितीय चरण को मंजूरी दे दी है. यह मंजूरी पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने की पृष्ठभूमि में दी गई है.

EAC की 45वीं बैठक में मिली मंजूरी

जलविद्युत परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एअउ) ने इस महीने की शुरूआत में अपनी 45वीं बैठक में इस परियोजना को स्वीकृति दी।

## बिहार चुनाव के नतीजों को लेकर कांग्रेस ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

### की चुनाव आयोग की शिकायत

**बिहार**

**बिहार** विधानसभा चुनाव के नतीजों के 45 दिन के बाद कांग्रेस ने पटना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और चुनाव आयोग की शिकायत की है. कांग्रेस ने याचिका दायर कर चुनाव को रद्द करने की मांग की है. आरोप है कि 10 हजार रुपये बांटकर वोट खरीदा गया है. बिहार कांग्रेस के नेता ऋषि मिश्रा, प्रवीण कुशवाहा, अमित टुन्ना विधानसभा का चुनाव इस बार कांग्रेस से लड़े हैं और नतीजों के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे हैं.

कांग्रेस के इन नेताओं का कहना है कि हाई कोर्ट में हमलोगों ने याचिका दायर की है. चुनाव को रद्द किया जाए. निष्पक्ष तरीके से चुनाव फिर से हो. चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. महिला रोजगार योजना के नाम पर 10-10 हजार रुपया चुनाव के दौरान बांटा गया और वोट खरीदा गया.

कांग्रेस का चुनाव आयोग पर

आरोप

इसके साथ ही नेताओं का कहना है कि तेलंगाना, राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस मोबाइल बांटना चाहती थी लेकिन चुनाव आयोग ने इसके लिए इजाजत नहीं दी थी, जबकि बिहार चुनाव में निर्वाचन आयोग की ओर से महिलाओं को 10-10 हजार रुपये बांटने की अनुमति दी गई.

कांग्रेस की हताशा को दशार्ता है ये मुकदमा- बीजेपी

कांग्रेस के पटना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने पर इखढ प्रवक्ता नीरज कुमार ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, "कांग्रेस पार्टी की ओर से किया गया मुकदमा उनकी हताशा को दशार्ता है. महिला रोजगार योजना चुनाव के काफी पहले से चल रही थी. राज्य में महिलाओं को सशक्त बनाने का काम किया जा रहा है लेकिन कांग्रेस के लोग उस पर कीचड़ उछालने का काम कर रहे हैं।

## राजस्थान के बाद अब बागपत में लड़कियों पर सख्ती, पंचायत ने मोबाइल और हाफ पेंट पर लगाई रोक

**बागपत**

**राजस्थान** में खाप पंचायत द्वारा लड़कियों के मोबाइल के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई थी. इसके बाद अब बागपत में 13 साल बाद एक बार फिर खाप चौधरियों ने पंचायत कर बड़ा निर्णय लिया है. जिसमें लड़कियों और लड़कों के स्मार्टफोन से लेकर हाफ पैंट पहनने पर बैन लगाने का निर्णय लिया गया है.

खाप चौधरियों ने मैरिज होम में शादी को लेकर भी आपत्ति जताते हुए रोक लगाने की बात कही है. यदि कोई उल्लंघन करता है तो कड़े निर्णय लिए जाएंगे. बागपत के बड़ौत शहर में खाप चौधरियों की पंचायत का बड़ा फैसला सामने आया है.

फैसले पर क्या बोले खाप चौधरी?

चौधरियों का कहना है कि लड़के और लड़कियां एक समान है. लड़की और लड़कों के स्मार्टफोन रखने एवं हाफ पैंट पहनने पर भी पूरी तरह से बैन लगाया जाएगा. क्योंकि लड़के हाफ पैंट पहनकर घरों के अंदर और बाहर रहते हैं जो समाज पर बुरा प्रभाव डालते हैं यह गलत है. चौधरियों ने कहा कि 18 साल से कम उम्र के लड़कों को फोन देना ठीक नहीं है. घर से लड़की पड़ोस में जाएगी तो बिना फोन के जाएगी. मोबाइल से अब नुकसान हो रहा है ।

## प्रयागराज माघ मेले से पहले नाविक तैयार

### 15 करोड़ श्रद्धालुओं की उम्मीद, किराया बढ़ाने की मांग

**प्रयागराज**

**उत्तर** प्रदेश के प्रयागराज में संगम की धरती पर 3 जनवरी 2026 से विश्व के सबसे बड़े धार्मिक और आध्यात्मिक मेले की शुरूआत होने जा रही है. महाकुंभ 2025 के बाद आयोजित हो रहे इस माघ मेले को लेकर योगी सरकार तैयारी में जुटी है. योगी सरकार का अनुमान है कि पूरे माघ मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु आ सकते हैं.

ऐसे में माघ मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से संगम तट पर रहने वाले नाविकों को भी रोजगार मिलेगा. नाविक भी माघ मेले को लेकर अपनी तैयारियों में जुटे हैं. महाकुंभ में हजारों नावें रखने वाले नाविक पिंटू महारा ने 30 करोड़ से ज्यादा रुपए कमाए थे. यह बात खुद सदन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कही थी. जिसके बाद अब नाविक माघ मेले में अच्छी आमदनी की आस लगाए बैठे हैं.

नाविक संघ के अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद के मुताबिक संगम तट पर करीब 3000 नावें हैं. जबकि माघ मेले को देखते हुए आस-पास के जिलों से भी करीब 3000 नावें यहां पर पहुंच रही हैं. जिससे माघ मेले के दौरान यहां करीब 6000 नावें हो जाएंगी. नाविक संघ के अध्यक्ष का कहना है कि वह श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. लेकिन प्रयागराज मेला प्राधिकरण से उन्होंने किराया बढ़ाए जाने की मांग की है.

किराया दोगुना करने की मांग

नाविक संघ के अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद का कहना है कि मेला प्राधिकरण ने जो किराया सूची जारी की है, वह महाकुंभ 2025 की पुरानी सूची है. इसलिए किराए को बढ़ाकर दोगुना किया जाना चाहिए. इसके अलावा नाविक संघ ने कुछ और भी मांगे रखी हैं. नविकों का कहना है कि माघ मेले के दौरान प्राइवेट मोटर बोट का संचालन न किया जाए. ऐसा करने से नाविकों के रोजगार पर असर पड़ेगा. इसके साथ ही नाविकों ने हर नाविक को मुफ्त लाइफ जैकेट दिए जाने और 50 लाख का बीमा कराए जाने की भी मांग की है. ताकि नाव संचालन के दौरान अगर उनके साथ किसी तरह की अप्रिय घटना होने पर उनके परिजनों को यह मुआवजा मिल सके.

नाविकों की बुनियादी जरूरतों को देखे प्रशासन

संगम तट पर पिछले कई सालों से नाव का संचालन करते आ रहे विक्कू निषाद का कहना है कि माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नाविक पूरी तरह से तैयार हैं. लेकिन उनकी जो बुनियादी जरूरतें हैं उस पर भी शासन और प्रशासन को ध्यान देना चाहिए. नाविकों ने कहा है कि

संगम तट पर आने वाले हर एक श्रद्धालु और तीर्थ यात्री उनके लिए अतिथि की तरह है. ?इसलिए वह उनके स्वागत में किसी तरह की कमी नहीं छोड़ेंगे. उन्होंने कहा है कि माघ मेले को देखते हुए नावों को भी सजाया संवारा जा रहा है. लेकिन शासन प्रशासन को उनकी मांगों पर भी विचार करना चाहिए।

## हंडिया में ट्रेन से कटी 22 भेड़, कोहरे के कारण पटरी पर पहुंची हुआ हादसा

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** हंडिया रेलवे स्टेशन के पास एक ट्रेन हादसे में 22 भेड़ों की मौत हो गई। यह घटना घने कोहरे के कारण हुई। ये भेड़ें तारा गांव खुशहालपुर निवासी किसान बद्री प्रसाद पाल की थीं।

जानकारी के अनुसार, किसान बद्री प्रसाद पाल अपनी भेड़ों को रेलवे स्टेशन के आसपास चरा रहे थे। अत्यधिक कोहरे के कारण भेड़ें भटककर रेलवे पटरी पर चली गईं। इसी दौरान हावड़ा से प्रयागराज जा रही विभूति एक्सप्रेस ट्रेन वहां से गुजरी और भेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया। यह हादसा दोपहर 2 बजकर 40 मिनट पर हुआ। हादसे में मौके पर ही सभी 22 भेड़ों की मौत हो गई, जिससे किसान बद्री प्रसाद पाल को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। हंडिया के उप जिलाधिकारी रावेन्द्र सिंह ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी है और सरकार की ओर से प्रभावित किसान को हर संभव सहायता प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। भेड़ पालक बद्री प्रसाद ने बताया कि घने कोहरे के कारण उन्हें हादसे का पता नहीं चल पाया। उन्होंने कहा कि ये भेड़ें ही उनके परिवार के गुजारे का एकमात्र साधन थीं, और इस क्षति से उनका जीवनयापन प्रभावित होगा।

## महिला को मार पीट कर किया लहुलुहान, पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**मऊआइमा।** घर के सामने गडे खूंटे में भैंस बांधने गयी महिला को मार पीट कर लहुलुहान कर दिया गया तथा खूटा उखाड कर फेंक दिए। पुलिस ने पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम जाम्हा खास निवासी बृजेश कुमार पुत्र स्वर्गीय भुल्लर लाल का आरोप है कि उसकी पत्नी विनीता देवी घर के सामने गडे खूटे में भैंस बांधने गयी थी। आरोप है कि विपक्षी खूंटा उखाड कर फेंक दिए और विनीता को मार पीट कर लहुलुहान कर दिए। बोलने पर गालियां दी और जान से मारने की धमकी दी गई। बृजेश कुमार ने मऊआइमा थाने में राकेश कुमार, दीपक कुमार,दिवांशू, उर्मिला देवी, गुंजन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

## फूलपुर क्रिटिकल कोरिडोर टीम ने दुर्घटना न होने के लिए सक्रिय खुले डिवाइडर बंद किए

**उतरांव।** जनपद प्रयागराज फूलपुर सहसों में एडीसीपी पुष्कर वर्मा नोडल ऑफिसर क्रिटिकल कॉरिडोर टीम प्रयागराज के आदेश के क्रम में शुक्रवार को सीसी टीम क्रिटिकल कॉरिडोर टीम फूलपुर कमिश्नर प्रयागराज द्वारा अपने एरिया रिस्पा सिलेब्रिटी ए ओ आर एन एच 319 पर बाबूगंज मार्केट से वीरकाजी मोड़ तक हाईवे के बीच बने रोड डिवाइडर पर आठ जगहों पर अवैध कटों को बंद कराया गया तथा स्थानीय लोगों राहगीरों तथा दुकानदारों को यातायात नियमों का अनुपालन के संबंध में जागरुक करते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं करने हेतु हिदायत दिया गया तथा अवैध पार्किंग में खड़े वाहनों का चलान भी किया गया जिसमें सड़क दुर्घटना में कमी लाई जा सके और मार्ग दुर्घटना में होने वाली मृत्यु को कम किया जा सके इस कार्रवाई में सीसी टीम प्रभारी फूलपुर अरविंद यादव, हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश यादव, कांस्टेबल अमित चौहान, कांस्टेबल निलेश कुमार आदि शामिल रहे, इससे स्थानीय लोग सीसी टीम फूलपुर की प्रशंसा भी की जा रही है।

## न्यूज झरोखा

### आगामी जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी राम गनेश मौर्य ने बहोरिकपुर गांव में वितरित किए खेल किट

**सोरांव।** सोरांव द्वितीय वार्ड नंबर 34 से जनता जनार्दन की सेवा करने के लिए तथा सरकार की योजनाओं को पात्रों तक पहुंचाने व विकास की गंगा बहाने के लिए सोरांव ब्लॉक के बाहर सराय निवासी समाजसेवी व प्रधान पति राम गनेश मौर्य (गन्नू) मिस्त्री ने शुक्रवार को कई गांव में जाकर बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिए तथा युवा खिलाड़ियों को खेलकिट का भी वितरण किए। सोरांव तहसील अंतर्गत बहोरिकपुर गांव में युवा खिलाड़ियों को बॉलीबॉल किट और बैटबॉल का वितरण किए। मौर्य ने कहा कि इस बार वार्ड नंबर 34 से सभी सम्मानित मतदाताओं ने आशीर्वाद दिया तो जरूर जरूरत मंद लोगों को सरकार की सभी योजनाओं को पात्रों तक पहुंचाई जाएगी। ग्रामीणों की माने तो राम गणेश मौर्य एक सम्मानित कर्मठशील तथा ईमानदार छवि के प्रत्याशी है। जरूरत पड़ने पर कभी भी सुख दुःख में खड़े रहते है। हमेशा लोगों के बीच में रहते है। मौके पर अंशु, विपेंद्र, विशेष , निखिल, सतेंद्र, रवि, दिलशाद, अंश, रवि किशन, संजय, ओम प्रकाश, कमल, मनीष एडवोकेट सहित अन्य लोग रहे।

## अटलजी ने राष्ट्र की सुरक्षा के मुद्दे पर कभी समझौता नहीं किया : शिवाकांत ओझा पूर्व मंत्री

**जंघई।** प्रतापपुर विधान सभा के प्रतापपुर ब्लाक सभागार में शनिवार को भाजपा ने अटल स्मृति सम्मलेन आयोजित किया कार्यक्रम की शुरूवात अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा ने अटलजी के प्रधानमंत्री रहते देश की प्रगति में उनके नेतृत्व को याद किया और जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अटल जी राजनीति में सुचिता एवं कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरी रखे, राष्ट्र की सुरक्षा जनहित के मुद्दे पर उन्होंने कभी समझौता नहीं किया पोखरण परमाणु परीक्षण करके राष्ट्र की सुरक्षा को सशक्त बनाएं अमेरिका के दबाव में कभी नहीं आना इसका जीता जागता उदाहरण है उन्होंने कहा मैं जी भर जिया मन भर मरुँ यह भाव लेकर के उन्होंने राष्ट्र की सेवा की आज उनकी जन्म शताब्दी पर श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। सम्मेलन को डीसीएफ चेयरमैन अजय पांडेय, जिला प्रवासी हौंसिला पाठक, जिला उपाध्यक्ष श्याम बिहारी पांडेय, जिला महामंत्री हरिभूषण सिंह ने संबोधित किया। इस अवसर पर मंडल प्रभारी मनोज सिंह आचार्य, सभाजीत मिश्रा, सुरेश विश्वकर्मा, राजकुमार पटेल, आलोक गुप्ता, मंडल अध्यक्ष प्रदीप बिंद, ब्रह्मचारी जायसवाल, मनोज पाठक, निसार अहमद, रुद्र प्रताप सिंह, रीना सिंह, दीपिका सिंह, ईश्वर चंद्र बिंद, अशफाक अहमद कृपाशंकर पटेल, मिथिलेश बिंद, आशुतोष त्रिपाठी, कमला प्रसाद पांडेय, उदयवीर प्रजापति, अशफाक कुरैशी, सतीश चंद्र मिश्र, ज्ञानेंद्र पांडेय, सच्चिदानंद तिवारी, राकेश उपाध्याय, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, त्रिलोक शंकर दुबे, गुलाब सिंह, सूबेदार सिंह, सीबी यादव, अच्छे लाल पटेल, दारा बिंद, विजय शंकर मौर्य सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## अटल बिहारी बाजपेयी देश के प्रकाश और प्रेरणापुंज : विधायक राजमणि कोल

### कोरांव में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन

अखंड भारत संदेश

**पसना।** प्रयागराज के कोरांव में भारतीय जनता पार्टी यमुना पार इकाई द्वारा अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देवकली गेस्ट हाउस, मिश्रपुर में हुआ। इसमें भाजपा प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी मुख्य अतिथि और पूर्व जिला अध्यक्ष कविता पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कोरांव विधायक राजमणि कोल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रकाश और प्रेरणा के पुंज हैं। उन्होंने कहा कि वाजपेयी जी ने सेवा, सुशासन और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का जो नारा दिया था, उसी के अनुरूप आज देश में विकास हो रहा है।

विधायक कोल ने आगे कहा कि अटल जी का अंतिम व्यक्ति के उदय का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूरा किया जा रहा है। उन्होंने जोर दिया कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प अटल जी ने ही रखा था। सम्मेलन में अन्य वक्ताओं में रामेश्वर द्विवेदी, तुलसीदास राणा, ज्ञान नारायण कनौजिया, नरसिंह केसरी, पूर्व जिला मंत्री अनिल मिश्रा, राम अवध कुशवाहा, राजेश्वरी प्रसाद तिवारी, राकेश पांडे, अशोक पांडे और संतरा देवी निषाद शामिल रहे। विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह, राजू द्विवेदी, बबुआन द्विवेदी, रामराज सिंह पटेल और करुणेंद्र श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

प्रमुख कार्यकताओं में संजय सिंह पटेल, मुकेश पांडे, हेमवती सिंह पटेल, राजेश मिश्रा, रवि द्विवेदी, पवन सिंह पटेल, पंकज केसरी, श्याम बाबू केसरी, महानारायण सिंह और अनिल मिश्र आदि मौजूद थे।

## दुर्घटना करने वाली पशुआहार से लदी ट्रक पुलिस के कब्जे में

**कस्बा कोरांव के पुलिस दरोगा पर ट्रक वाले से चालीस हजार लिए जाने का आरोप, विधायक मेजा खफा, इंस्पेक्टर और दरोगा में तू-तू मैं-मैं, बोले क्यों लिया गया पैसा**

अखंड भारत संदेश

**कोरांव।** थाना कोरांव में दुर्घटना के आरोप में कपिला पशु आहार से लदी पकड़ी गई एक बड़ी ट्रक को एक दरोगा द्वारा लंबी रकम ले कर पशु आहार उतरवाने के बाद पशु आहार व्यवसायियों ने विधायक मेजा अपने रिश्तेदार को फोन लगा दिया। जानकारी होते ही इंस्पेक्टर कोरांव राकेश कुमार वर्मा ने राय नामक एस आई को फटकार लगाई और पैसा वापिस किए जाने को कहा।

दर असल गत दिवस ट्रक नंबर यूपी 32 के एन 5695 पर पशु आहार लाद कर कोरांव से जा रही थी। पंडरिया के पास पुलिया पर कृष्ण भान सिंह पटेल ग्राम बदौर कोरांव की भांजी बाइक पर सवार भांजे के साथ जा रही थीं जिससे एक पैर टूट कर कट गया गंभीर रूप से घायल हो गई। सीएच सी कोरांव में भर्ती किया गया जहां डाक्टरों ने प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया। और एक निजी अस्पताल ट्रामा सेंटर में भर्ती है। पुलिस ने क्राइम नंबर 364/2025 पर धारा 281, 125ए, 126बी आईपीसी में केस दर्ज कर लिया।

आरोप है कि हल्का कस्बा कोरांव के एक एसआई राय ने उक्त ट्रक से बिना थाना प्रभारी के संज्ञान में डाले कपिला पशु आहार उतरवा रहे थे और आरोप है कि चालीस हजार रुपए उक्त दरोगा जी ने एक पक्ष लिया। जिसकी शिकायत से ऐंठ विधायक मेजा संदीप पटेल से हुई। उन्होंने नाराजगी जताते हुए इंस्पेक्टर कोरांव से उक्त एसआई के विरुद्ध कार्यवाही करने को कहा। इस संदर्भ में उक्त दरोगा राय और इंस्पेक्टर के मध्य तू तू मैं मैं भी हुई। फिलहाल उक्त मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से भी किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। कस्बे के लोगों ने उक्त एसआई पर नाराजगी जताते हुए कार्यवाही की मांग की है।

## प्रभु की कृपा भयउ सब काजू, जनम हमार सुफल भा आजू।

अखंड भारत संदेश

**जंघई।** मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान प्रभु श्रीराम के गुणों का बखान करने वाली श्रीरामचरितमानस का पाठ अनंत काल से होता चला आ रहा है। जीवन की मंगल कामना के लिए किया जाने वाला यह पाठ अत्यंत ही शुभ फलदायक है। इसी क्रम में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रयागपुर गांव में पूर्व प्रधान रमाशंकर पांडेय, प्रमोद पांडेय के निवास पर गुरुवार को श्रीराम चरित मानस अखंड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक पाठक राष्ट्रीय मानस प्रचारक जमशेदपुर टाटा एवं उनकी टीम द्वारा विभिन्न धुनों में भगवान श्रीराम की महिमा का गुणगान किया गया जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर हो गया रामायण पाठ संपन्न होने पर पूणार्हुति हवन आरती महाप्रसाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयोजक सतेंद्र पांडेय एवं संजीव पांडेय द्वारा आये हुए अतिथियों का स्वागत भगवान श्रीराम की प्रतिमा अंगवस्त्र एवं प्रसाद देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर परिजनों में विनोद पांडेय, राजीव पांडेय, मनोज पांडेय, पवन पांडेय, मनीष पांडेय, अवनीश पांडेय हरीश पांडेय अविनाश पांडेय, अनुराग पांडेय, रजनीश पांडेय शनी, यश पांडेय, जय पांडेय, हर्ष पांडेय, हर्षित पांडेय, परी पांडेय, रुद्री पांडेय, श्रीविका पांडेय एवं शैलेंद्र शुक्ला, राजेश शुक्ला, जवाहरलाल गौड़, हरिश्चंद्र विश्वकर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

## नियम-कानून को ताक पर रखकर इंटर कॉलेज का संचालन, अवैध प्रधानाचार्य नियुक्ति के गंभीर आरोप

- शासनादेशों की खुलेआम अनदेखी, निजी प्रधानाचार्य की अवैध नियुक्ति
- आयोग से चयनित प्रधानाचार्य को विद्यालय से बाहर रखने का आरोप
- दो माह से शिक्षकों का वेतन बाधित, पढ़ाई पर पड़ा असर
- जिला विद्यालय निरीक्षक से निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

अखंड भारत संदेश

**करछना।** यमुनापार के करछना क्षेत्र स्थित परमेश्वरदीन मिश्रा इंटर कॉलेज, बेनीपुर कौंधियारा में शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाला गंभीर मामला सामने आया है। विद्यालय प्रबंधन पर शासनादेशों और उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग के नियमों की खुली अवहेलना कर मनमाने ढंग से कॉलेज संचालन के आरोप लगे हैं। आरोप है कि विद्यालय के प्रबंधक संजय मिश्रा उर्फ पप्पू ने आयोग से चयनित प्रधानाचार्य को दरकिनार कर निजी व्यक्ति मनोज कुमार शुक्ला को अवैध रूप से प्रधानाचार्य के पद पर बैठा दिया है।

सूत्रों के अनुसार, आयोग से चयनित एवं वेतनभोगी प्रधानाचार्य को बार-बार निलंबित रखकर विद्यालय से बाहर रखने का प्रयास किया जा रहा है। इतना ही नहीं, चयनित प्रधानाचार्य के कक्ष में निजी ताला लगवा दिया गया है और उन्हें विद्यालय में बैठने तक की अनुमति नहीं दी जा रही है। कई बार विद्यालय परिसर में प्रवेश से भी रोके जाने के आरोप हैं, जो न केवल सेवा नियमों का घोर उल्लंघन है बल्कि शिक्षा व्यवस्था का खुला अपमान भी माना जा रहा है।

विद्यालय को लेकर यह भी गंभीर आरोप सामने आए हैं कि यहां नकल माफिया सक्रिय है तथा नामांकन, परीक्षा और अन्य शैक्षणिक कार्यों के नाम पर छात्रों व अभिभावकों से अवैध वसूली की जा रही है। इससे विद्यालय का शैक्षणिक माहौल पूरी तरह दूषित हो चुका है। प्रबंधन की इस मनमानी का सीधा असर शिक्षकों पर पड़ा है। बताया जा रहा है कि शिक्षकों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है, जिससे वे आर्थिक संकट और मानसिक तनाव झेल रहे हैं।

शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही आयोग से चयनित प्रधानाचार्य की गरिमा बहाल करने और शिक्षकों का लंबित वेतन तत्काल दिलाने की मांग उठाई गई है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर प्रकरण पर कब ठोस कार्रवाई करता है या शिक्षा के मंदिर में जारी कथित अराजकता यूं ही चलती रहेगी।

परमेश्वरदीन मिश्रा इंटर कॉलेज, बेनीपुर कौंधियारा से संबंधित शिकायतें संज्ञान में आई हैं। प्रकरण की विस्तृत जांच कराई जा रही है। सभी अभिलेखों और तथ्यों का परीक्षण कर नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे तथा शिक्षकों के वेतन और शैक्षणिक व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त कराया जाएगा। **- पी एन सिंह-जिला विद्यालय निरीक्षक**

## ग्राम पंचायत सचिवालय अल्हवा पर खुली बैठक आयोजित

मनरेगा के बजाय जी रामजी योजना की जनता को दी गई जानकारी और कई प्रस्ताव विकास कार्य के वर्ष 2025--26 के लिए हुए पारित

**ग्राम पंचायत अल्हवा और अपने क्षेत्र को विकसित सुसज्जित, सुंदर आदर्श गांव बनाना प्राथमिकता : शहजादे**

अखंड भारत संदेश

**कोरांव।** विकास खंड कोरांव के ग्राम पंचायत अलहवा में सासन के निर्देश पर एक खुली बैठक आहूत हुई जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ने की। संचालन ग्राम विकास अधिकारी राजन ने किया।

बैठक में ग्राम सभा सदस्यों को जी राम जी योजना के बारे में जानकारी दी और पिछली कार्यवाही पढ़ कर सुनाई गई। ग्राम प्रधान ने पिछले पांच साल विकास के कार्यवृत्त की जानकारी दी और कई नई सड़कों के पक्की, कच्ची, इंटरलॉकिंग,डब्लू बी एम सीसी सड़कों के निर्माण कार्य तथा हैंड पंप,नाली,आंगन बाड़ी केंद्र भवन के निर्माण,के प्रस्ताव पारित किए गए। अवशेष विकास कार्यों को जनता की सहमति लेकर कराए जाने की घोषणा भी की। पेंशन, आवास, शौचालय, से वंचित पात्रों को लाभान्वित किए जाने,तालाबों के सुंदरी करण किए जाने, भूमि हीनों को पट्टे दिए जाने, एक दर्जन चकमार्गों को खाली कराकर सड़क बनवाए जाने आदि विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गांव को एक सुंदर सुसज्जित आदर्श ग्राम पंचायत बनाना मेरी प्राथमिकताओं में से है। उन्होंने कहा कि मेरे प्रयास से निर्मित अस्पताल को बिजली कनेक्शन मिलते ही चालू करा दिया जाएगा,तब से वैकल्पित व्यवस्था हेतु पंचायत भवन पर डॉक्टर्स मरीजों के देखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा पार्क को सुंदर,सुसज्जित,और भव्य बनाने के लिए विवाह घर बनाने के लिए पूरा प्रयास कर रहा हूं। सामुदायिक शौचालय को शीघ्र जनता को समर्पित करूंगा। हर बस्ती में शौचालय बनवाने की भी बात कही। प्रधान ने जल जीवन मिशन के तहत निमार्णाधीन पानी की टंकी को विभाग पर दबाव बना कर जल्दी संचालित किए जाने की बात कही। ग्राम प्रधान ने ग्राम सभा में एक पंचायत ऑपरेटर अनुपस्थित रहने के कारण उनके स्थान पर नियमानुसार नागेन्द्र कुमार विश्वकर्मा पुत्र राम उजागिर को नियुक्त किए जाने की जानकारी जनता को दी। उन्होंने कहा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में भ्रष्ट्राचार के कारण कोटेदार अल्हवा की सेवा समाप्त करा दी गई है। नए कोटेदार का चयन किया जाना है। उन्होंने कहा क्षेत्र के विकास, लोगों के सम्मान के साथ कोई भेद भाव नहीं किया जाता और न ही सहन करेंगे। बैठक में सचिव राजन और पंचायत सहायक नागेन्द्र विश्व कर्मा ने अध्यक्ष ग्राम प्रधान का स्वागत किया और जनता का आभार जताया। राजन सचिव और रोजगार सेवक सूर्यदीन सिंह पटेल टीसी जी रामजी ज्ञानेंद्र सिंह प्रधान और पूर्व बीडीसी सदस्य हिंछलाल कोल ने आंगन बाड़ी केंद्र भवन अलहवा के निर्माण हेतु लेआउट बनवाया। और कार्य का शुभारंभ भी किया।

## झुक जइयो तनिक रघुवीर सिया मेरी छोटी है...

अखंड भारत संदेश

**जंघई।** श्रीराम जानकी मंदिर जंघई कुटी में आयोजित श्रीराम कथा के चौथे दिन शनिवार को भगवान की बाल लीला एवं श्रीराम और सीता जी के विवाह का प्रसंग कथावाचक आचार्य संदीप शास्त्री महाराज ने सुनाया। महाराज ने कहा कि राजा जनक के दरबार में भगवान शिव का धनुष रखा हुआ था एक दिन सीता ने घर की सफाई करते हुए उसे उठाकर दूसरी जगह रख दिया। उसे देख राजा जनक को आश्चर्य हुआ, क्योंकि धनुष किसी से उठता नहीं था। राजा ने प्रतिज्ञा किया कि जो इस धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी से सीता का विवाह होगा। उन्होंने स्वयंवर की तिथि निर्धारित करके सभी राजा-महाराजा को विवाह के लिए निमंत्रण भेजा। स्वयंवर में आये सभी लोगों ने एक-एक करके धनुष को उठाने की कोशिश की, लेकिन किसी को भी इसमें सफलता नहीं मिली। गुरु की आज्ञा से श्री राम धनुष उठा प्रत्यंचा चढ़ाने लगे तो वह टूट गया। इसके बाद धूमधाम से सीता व राम का विवाह हुआ। माता सीता ने जैसे प्रभु राम के गले में वर माला डाली वैसे ही देवतागण उन पर फूलों की वर्षा करने लगे। कथा में श्री राम और सीता जी की झांकी सजाई गई। श्रद्धालुओं ने श्री राम और सीता के पैर पखारने और बधाई गीत पर जमकर नृत्य किया। इस दौरान श्री राम बारात में भी श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। इस अवसर पर मुख्य यजमान शंकर उमरवैश्य, मुख्य अतिथि पूर्व विभाग प्रचारक शारदा पाठक, महंथ चंद्रमा दास जी महराज, चंद्रमणि तिवारी, मनोज पाठक, नीरज शुक्ला, आशीष दुबे, आनंद सिंह चौकी इंचार्ज जंघई मीरगंज, अश्वनी उपाध्याय, विजय मिश्रा, धर्मेंद्र राय, नितेश पांडेय, आदर्श दुबे, शिवम मालवीय , धीरज मिश्र, प्रवीण तिवारी, राजू सिंह, रिंकू मिश्र, आयुष जायसवाल, किशन पाठक, संदीप तिवारी, शैलेश पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

# माघ मेला 2026: श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दारागंज शवदाह स्थल शिवकुटी के पास किया गया स्थानांतरित

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** संगम नगरी में लगने वाले माघ मेला 2026 के सफल आयोजन एवं मेले में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं तथा स्थानार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मोरी रोड के पास स्थित दारागंज शवदाह स्थान को अस्थायी रूप से स्थानांतरित कर शिवकुटी के पास स्थापित किया गया है। यह व्यवस्था माघ मेला अवधि के दौरान यातायात सुगमता, भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की गई है। 27 दिसंबर 2025 से लेकर माघ मेला की समाप्ति 15 फरवरी 2026 तक सभी शोकग्रस्त परिवारजन अपने दिवंगत परिजनों के शवदाह संस्कार हेतु शिवकुटी स्थित नए शवदाह स्थल का उपयोग करेंगे। इस दौरान दारागंज शवदाह स्थान पर शवदाह की अनुमति नहीं होगी। शवदाह के लिए जाने वाले परिजनों को नागवासुकि मंदिर के सामने बनाई गई रिवर फ्रंट रोड के सहारे शिवकुटी पहुंचने की व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। मार्ग पर दिशा-सूचक संकेतक लगाए जा रहे हैं और यातायात पुलिस की तैनाती भी सुनिश्चित की जाएगी। शिवकुटी स्थित नए शवदाह स्थल पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिला प्रशासन ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यह व्यवस्था अस्थायी है और माघ मेला की समाप्ति के बाद पूर्ववत व्यवस्था बहाल कर दी जाएगी।

## माघ मेला 2026 का भूमि आवंटन पूर्ण बसावट कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** माघ मेला 2026 के सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन हेतु सभी संस्थाओं के भूमि आवंटन का कार्य आज पूर्ण कर लिया गया है। जिन संस्थाओं को भूमि आवंटित की जा चुकी है, उन्हें अपने-अपने सेक्टर प्रभारियों से समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र बसावट कार्य भी पूर्ण कराने के निर्देश मेला अधिकारी श्री ऋषि राज द्वारा दिए गए हैं, ताकि प्रथम स्नान से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूरी की जा सकें।सभी श्रद्धालुओं से बसावट संबंधित समस्यों एवं सूचनाओं हेतु अपने अपने सेक्टर कार्यालयों एवं वहां के प्रभारियों से संपर्क करने का अनुरोध किया गया है । सभी सेक्टर प्रभारियों के मोबाइल नंबर मेला कार्यालय के बाहर सूचना पट पर प्रदर्शित कर दिए गए हैं। समस्याओं के निदान हेतु मेला हेल्पलाइन नंबर 1920 पर भी संपर्क किया जा सकता है। दिनांक 28 दिसंबर से सभी अधिकारी मेला क्षेत्र के बसावट, घाटों के निर्माण, अन्य मूलभूत सुविधाओं तथा भीड़ प्रबंधन के कार्यों में और गति लाते हुए सभी कार्यों को समय अंतर्गत पूर्ण कराना सुनिश्चित कराएंगे जिससे कि मेले में आने वाले संतों, कल्पवासियों तथा श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

## न्यूज झरोखा

### दूध वितरण के लिए निकले युवक की सड़क हादसे में मौत, परिवार में मचा मातम

**करछना।** थाना कौंधियारा क्षेत्र में शनिवार को सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना नचकोल का पूरा गांव के मोड़ के पास हुई, जहां आमने-सामने दो बाइकों की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बेनीपुर (नेगुड़ा) निवासी नीरज कुमार कुशवाहा (21), पुत्र इन्द्रनाथ कुशवाहा, गंभीर रूप से घायल हो गया। वह बाइक से दूध पहुंचाने राम का पूरा जा रहा था। मौके पर मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस घायल नीरज को निजी अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों के अनुसार नीरज दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कौंधियारा पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

### लोको पायलट लॉबी द्वारा ठंड के मौसम में कंबल वितरण किया गया

**नैनी।** नैनी क्षेत्र में मालगोदाम लोको पायलट लॉबी द्वारा ठंड के मौसम में गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मानवीय पहल के तहत सर्दी से बचाव कर जरूरतमंदों की जीवन रक्षा का प्रयास किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य क्रू नियंत्रक एस. एन. द्विवेदी के संरक्षण में संपन्न हुआ जिसमें प्रयागराज नैनी छिवकी के रनिंग कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में सर्वेश सिंह, वीरेंद्र सिंह, राज कुमार सिंह, रणविजय सिंह, अशोक यादव, धनंजय, चन्दन, अशोक, रवि प्रताप सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे। कंबल पाकर जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर राहत और खुशी देखने को मिली। उपस्थित कर्मियों ने भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

### मार्शल आर्ट चैंपियन खुशबू निषाद का चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मान

**नैनी।** नैनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशिया मिक्स मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर भारत सहित प्रयागराज का नाम रोशन करने वाली खिलाड़ी खुशबू निषाद का नैनी थाना क्षेत्र के गंगोत्री नगर स्थित गणपति नगर में समाजवादी पार्टी कार्यकताओं द्वारा सम्मान किया गया। यह अभिनंदन समारोह समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बब्बन दुबे के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जहां खुशबू निषाद को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बब्बन दुबे ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर बेटियों को शिक्षा और खेल के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। समारोह में खुशबू निषाद के साथ उनके पिता पूर्व पार्षद नंद लाल निषाद और भाई राहुल निषाद भी उपस्थित रहे। इस मौके पर समाजवादी पार्टी यमुनापार अध्यक्ष पप्पू निषाद, मंजू यादव, राबिन लोहिया, मो. अजहर, अहमद रजा, चौधरी देवी लाल, प्रियांशु दुबे, ज्ञाशु दुबे सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## माघ मेला 2026 स्नान से पूर्व सेक्टर-7 अरैल घाट पर स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन

**प्रयागराज।** माघ स्नान के मद्देनजर श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को सेक्टर-7 अरैल घाट के पास स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन डॉ. आनंद कुमार सिंह, प्रभारी सैनिटेशन एवं मेला प्रभारी प्रयागराज द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार यादव, एसएमओ डॉ. दिनेश कुमार सहित स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने शिविर में उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशाझनिर्देश दिए। स्वास्थ्य शिविर में श्रद्धालुओं के लिए प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य परीक्षण तथा आवश्यक दवाओं की व्यवस्था की गई है, जिससे माघ स्नान के दौरान किसी भी आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

कार्यक्रम में कौशलेश कुमार पाण्डेय, अजीत सिंह, राघवेन्द्र सिंह, रानू, अनुज यादव, आमेत यादव, पीयूष श्रीवास्तव और हेमन्त कुमार पाण्डेय सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि मेला अवधि के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

## दरोगा के घर में चोरी, रिपोर्ट दर्ज करने के लिए भाई लगा रहा थाने के चक्कर

**झूंसी।** थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की बदहाली का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक दरोगा के बंद मकान को चोरों ने निशाना बनाया, लेकिन तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने मामले की प्राथमिकी दर्ज नहीं की है। घटना देवनगर कालोनी की है। प्रतापगढ़ में तैनात चौकी इंचार्ज कुलदीप कुशवाहा का निजी मकान है। उनके भाई प्रदीप कुशवाहा मकान की देखरेख करते हैं। 25 दिसंबर की रात चोरों ने मकान में घुसकर लगभग एक लाख रुपये कीमत के बिजली के तार पार कर दिए अगले दिन जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुँचकर जांच तो की, लेकिन रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय टालमटोल कर रही है। पीड़ित प्रदीप कुशवाहा पिछले तीन दिनों से झूंसी थाने के चक्कर काट रहे हैं, पर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। इस घटना ने स्थानीय निवासियों के बीच असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। लोगों का कहना है कि जब दरोगा के घर की रिपोर्ट नहीं लिखी जा रही, तो आम आदमी की सुनवाई कैसे होगी।

## प्रत्येक हिन्दू आपस मे सहोदर भाई है, जिन्हें जातियों में बांटकर किया था रहा कमजोर : विजय प्रताप

### करछना खण्ड के डीहा व भरहा में आयोजित हुआ हिन्दू सम्मेलन

**करछना।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर घर घर सम्पर्क के पश्चात हिन्दू सम्मेलन का आयोजन अपने पूरे चरम पर चल रहा है।जिसे लेकर बुधवार को जिला यमुनापार के खंड करछना के डीहा में स्थित प्रकाश बालिका इंटर कालेज व भरहा के शिवालय पैलेस में कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही धूमधाम के साथ किया गया।हिन्दू सम्मेलन के मुख्य अतिथि विभाग धर्म जागरण संयोजक विजय प्रताप ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सभी हिन्दू सम्मेलन के निमित आज एकत्रित हुए है।हम सभी दैव शक्ति के उपासक है। किसी भी संगठन को मुख्य धारा से जोड़ने के लिये सभी हिन्दू समाज को संगठित होना अति आवश्यक है। जब तक हिन्दू संगठित नही होगा और अपनी शौर्य क्षमता को पहचानेगा नही तब तक हिन्दू व हिंदुस्तान दोनों सुरक्षित नही रह सकते। अनेक अनेक माँ के गर्भ से जन्मे हिन्दू आपस मे सहोदर भाई है। और पंच परिवर्तन के विषय मे वृस्त्रित जानकारी दी।तो मातृ शक्ति के रूप में वक्ता सुचिता मिश्रा ने कुटुंब प्रबोधन व नारी शक्ति के बारे बताया।वही स्वामी उत्तमानन्द महाराज ने सनातन धर्म के विषय पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के अंत मे कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व अध्यापक बृजलाल गुप्ता व भरहा में गुलाब सिंह ने अभी आगन्तुको का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी को समस्त भेदभाव भूलकर एकत्रित करने को बल दिया। जिस मौके पर खण्ड संचालक मार्तंड प्रताप सिंह,खण्ड सह संचालक कृष्ण प्रकाश तिवारी, धर्म जागरण सयोजक यमुनापार जितेंद्र शुक्ला, डॉ विजय बाबू यादव, खण्ड कार्यवाह करछना अरुण मिश्रा, विवेक मिश्रा, शिवदेव शुक्ला, अभय सिंह, कुलदीप त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में हिन्दू भाई बहन मौजूद रही।

# कड़कड़ाती ठंड में क्षेत्र के गरीबों एवं असहायों के लिए फरिश्ता बनी हैं रुचि अभिषेक तिवारी

### शिवसेना की प्रदेश सचिव ने पति अभिषेक के साथ मेजा के खौर गांव में जरूरत मंद लोगों को वितरित किया गर्म कंबल कहा मानव सेवा ही सही मायने में है ईश्वर सेवा

मेजा के खौर गांव में जरूरत मंद गरीब असहायों को कंबल बांटती रुचि तिवारी

**मेजा।** मेजा के खौर गांव निवासी श्रीकान्त यादव के आवास पर पहुंचकर वरिष्ठ समाजसेवी एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता अभिषेक तिवारी टिंकू (राज्य विधि अधिकारी) एवं शिवसेना की प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने गरीबों और असहायों को शनिवार को कंबल वितरित किया। उल्लेखनीय है कि रुचि अभिषेक तिवारी और उनकी टीम के सहयोगियों द्वारा इन दिनों कड़ाके की ठंड में जनपद में फुटपाठ पर सो रहे लोगों के अलावा क्षेत्र में भी मानवता की सेवा की बड़ी मिशाल पेश की जा रही है। गौरतलब है कि शिवसेना प्रदेश सचिव और उनकी टीम द्वारा यह पुनीत कार्य कई सालों से किया जाता रहा है जिससे जरूरतमंदों को जहां बड़ी राहत मिल रही है वहीं समाज में मानवता का सेवा भाव बढ़ रहा है। बता दें कि कड़कड़ाती ठंड में स्वयं ठंड से कांपती असहायों के लिए फरिश्ता बन गरीब बस्तियों में जरूरतमंद एवं असहायों के बीच पहुंच रुचि अभिषेक तिवारी ने उन्हें गर्म कंबल देकर ठंड से राहत पहुंचाई है। इस दौरान जरूरत मंद लोगों ने उनके इस सराहनीय और पुनीत पहल के प्रति दुवाएं देते हुए प्रशंसा किया। कंबल वितरण के दौरान रुचि अभिषेक तिवारी एवं अभिषेक तिवारी टिंकू ने कहा कि अगर आपको भगवान कुछ दिया है तो गरीब असहाय लोगों की मदद करने का काम करें, क्योंकि मानव सेवा ही सही मायने में ईश्वर सेवा है। उन्होंने कहा कि दान देने से धन घटता नहीं है और गरीब की दुआ बहुत काम आता है। इस मौके पर रतीश दुबे, विनोद गुप्ता, सबल तिवारी, अमन तिवारी, शिवकांत दुबे सहित उनकी टीम के सहयोगी लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

# शंकरगढ़ में आग से एक घर राख, गांव में उबाल

**ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रैक यार्ड के पास कंटीन से किसी ने बीड़ी या सिगरेट जलाकर लापरवाही से फेंक दी, जिससे आग भड़की और यह भीषण हादसा हुआ।**

अखंड भारत संदेश

**शंकरगढ़।** कपारी मोड़ यादव बस्ती में शनिवार रात करीब 8 बजे अचानक अफरा-तफरी मच गई, जब पंचम लाल यादव पुत्र राजा राम यादव के छप्परनुमा मकान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग भड़क उठी। अल्ट्राटेक ट्रैक यार्ड के ठीक बगल में स्थित यह मकान चंद मिनटों में आग की लपटों से घिर गया और देखते ही देखते जलकर पूरी तरह खाक हो गया। घर में रखा अनाज,भूसा सहित गृहस्थी का सामान आग की भेंट चढ़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ग्रामीणों ने बाल्टियों और उपलब्ध संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज लपटों के आगे सभी प्रयास बेकार साबित हुए। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने विरोध किया। ग्रामीणों का आरोप है कि ट्रैक यार्ड के पास कंटीन से किसी ने बीड़ी या सिगरेट जलाकर लापरवाही से फेंक दी, जिससे आग भड़की और यह भीषण हादसा हुआ। सूचना पर अल्ट्राटेक की ओर से दमकल वाहन मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक आग अपना कहर बरपा चुकी थी।

# जिला ओलंपिक संघ की बैठक में अधिवक्ता सुशील कुमार मिश्रा को सौंपी गई अध्यक्ष की कमान

सुशील कुमार मिश्रा

**मेजा।** डिस्ट्रिक्ट ओलंपिक एसोसिएशन संघ प्रयागराज की कार्यकारिणी समिति का पुनर्गठन कार्यक्रम स्थानीय सिविल लाइंस स्थित सरोजिनी नायडू मार्ग परिसर में पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जॉर्डन एच नाथ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें जिला क्रीड़ा संघ के अध्यक्ष और सचिव प्रतिनिधियों की भी उपस्थिति में आहुत साधारण सभा की बैठक में सर्वसम्मति से सुशील कुमार मिश्रा (वरिष्ठ अधिवक्ता) अध्यक्ष, नारायण गोयल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रो.डॉ.पीके पचौरी,आशीष द्विवेदी, पीके पांडेय, कौशल दीक्षित, शील ओझा व प्रदीप तिवारी उपाध्यक्ष,आरपी शुक्ला महासचिव, डॉ.जेपी शर्मा कोषाध्यक्ष, मो.सेराज उद्दीन, अतुल सिद्धार्थ, रंजीत यादव व राजपाल यादव संयुक्त सचिव, धर्मेंद्र मिश्रा, दिव्यांशु निषाद व विनोद कुशवाहा संगठन सचिव तथा रवि तिवारी, मानस निषाद, राजेश कुशवाहा व संजीव कुमार को कार्यकारी सदस्य के रूप में चुना गया।

## मनरेगा में अब 125 दिन काम की गारंटी,

### मांडा में ग्राम प्रधानों ने जाब कार्ड धारकों को किया जागरूक

**मांडा।** मनरेगा जाब कार्ड धारकों और ग्रामीणों को योजना से संबंधित महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में जागरूक किया गया। ग्राम पंचायत अधिकारियों और ग्राम प्रधानों ने विभिन्न ग्राम सचिवालयों में यह अभियान चलाया। इस दौरान जाब कार्ड धारकों को बताया गया कि मनरेगा के तहत अब वर्ष में 100 के बजाय 125 दिन का काम मिलेगा। साथ ही, उन्हें यह भी जानकारी दी गई कि मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत जी राम जी' कर दिया गया है। मांडा ब्लॉक के हाटा, मझिगवां और मांडा खास ग्राम सचिवालयों में यह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ग्राम पंचायत अधिकारी बृजेन्द्र कुमार शुक्ल और मांडा खास के ग्राम प्रधान डॉ. असद अली ने ग्रामीणों को नई रोजगार गारंटी योजना की विस्तृत जानकारी दी।

# कपड़ा व्यवसायी से लूट मामले में पुलिस की गठित टीमें जांच में जुटी

### लालगोपालगंज में सशस्त्र नकाबपोश बदमाशों ने कपड़ा के थोक व्यापारी से लूटे एक लाख रुपए

**घटना के दूसरे दिन शनिवार को लूट का मामला खुलासा करने में जुटी सात टीमें**

अखंड भारत संदेश

**लालगोपालगंज।** लखनऊ-प्रतापगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित कपड़ा के थोक व्यापारी की दुकान में शुक्रवार की शाम नकाबपोश बदमाशों ने तमंचे के बल पर नकदी लूट ली। घटना से इलाके के व्यापारियों में दहशत फैल गई है। सूचना पर पहुंची नवाबगंज पुलिस देर रात तक सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान में जुटी रही।

लालगोपालगंज तिराहा के समीप लखनऊ राजमार्ग पर दिनेश केसरवानी की ह्यविराट ट्रेडर्सह्ल नाम से कपड़ा की थोक दुकान है। शुक्रवार को शाम करीब सवा छः बजे एक बाइक से आए तीन बदमाश दुकान से कुछ दूरी पर वाहन खड़ा कर पैदल दुकान में दाखिल हुए। तीनों के मुंह कपड़े से ढके हुए थे और उनके पास तमंचे थे। दुकान में घुसते ही एक बदमाश ने काउंटर पर मौजूद दिनेश केसरवानी के छोटे भाई दिलीप केसरवानी को तमंचा सटा दिया। बदमाश सीधे गल्ले तक पहुंचा और उसमें रखी नकदी समेट ली।

कुछ ही पलों में वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों बदमाश बाहर निकले और काले रंग की बाइक पर सवार होकर कुंडा की ओर निकल गए। अचानक हुई घटना से व्यापारी और दुकान में मौजूद लोग सहम गए। लूट की खबर फैलते ही आसपास के व्यापारी मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही नवाबगंज थाना प्रभारी राघवेंद्र सिंह और लालगोपालगंज चौकी प्रभारी सौरभ पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए बदमाशों की पहचान और फरार होने के मार्ग का पता लगाने का प्रयास किया। एसीपी सुव श्याम जी प्रमिला सिंह ने बताया कि लगभग एक लाख रुपए लेकर बदमाश भागे हैं। जांच की जा रही है।

घटना के दूसरे दिन शनिवार को घटनास्थल पर पुलिस कमिश्नर जोगिंदर कुमार, डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, क्राइम ब्रांच और एसओजी समेत सोरांव और नवाबगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने कहा कि व्यापारी का एजेंट प्रतापगढ़ क्षेत्र से वसूली कर जब दुकान पहुंचा तो बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। सात टीमें गठित की गई हैं। सीसी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

# विदेश नीति में भटकाव के कारण बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर बर्बरता चिन्ताजनक : प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

**लालगंज।** राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने पड़ोसी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, हिन्दुओं, सिखों तथा ईसाईयों के मन्दिरों, पूजा घरों, गुरूद्वारों पर इधर बढ़ रहे हमलो को चिन्ताजनक करार दिया है। उन्होने कहा कि भारत सरकार की विदेश नीति में भटकाव के कारण आज भारत के पड़ोसी देशों से द्विपक्षीय सम्बन्ध भी बद से बदतर होता जा रहा है। शनिवार को रामपुरखास के दौरे पर पहुंचे सांसद प्रमोद तिवारी ने लालगंज स्थित कैम्प कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में बांग्लादेश में दीपू चन्द्र दास की हत्या के बाद एक और युवक अमृत मण्डल की निर्ममतापूर्वक हुई हत्या को अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण एवं कड़ी चिन्ता कहा है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार की खामोशी का नतीजा है कि बांग्लादेश में धार्मिक स्थल क्षतिग्रस्त किये जा रहे है और अल्पसंख्यक महिलाओं के साथ बदसलूकी और व्यभिचार भी बढ़ रहा है। उन्होने पीएम पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह अपने को विश्वगुरू बनाने के चक्कर में किसी एक के नहीं हो पाये। उन्होने कहा कि इसके कारण पीएम मोदी सारी दुनिया में अलग थलग पड़ गये हैं। सांसद प्रमोद तिवारी ने बांग्लादेश की स्थिति पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से अविलम्ब सख्त कूटनैतिक कदम उठाते हुए वहां हिन्दू तथा सिख, ईसाई पर हो रहे हमलों पर पहल करने पर जोर दिया है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने पत्रकार वार्ता के दौरान केन्द्र सरकार पर तल्ख होते हुए कहा कि अरावली की पर्वत श्रृंखला हमारे देश की आन बान और शान है। उन्होने कहा कि यह राजस्थान, एनसीआर और भारत की राजधानी दिल्ली के लिए जीवनदायिनी भी है। उन्होने कहा कि मोदी सरकार ने अपने मित्र उद्योगपति के दबाव में इस पर्वत श्रृंखला के एक बहुत बड़े हिस्से को असंरक्षित घोषित कर दिया है। उन्होने कहा कि खनन लॉबी के दबाव में गलत खनन नीति के जरिए इसे असंरक्षित घोषित करके खनन की इजाजत दी गयी। उन्होने कहा कि संसद से सड़क तक विरोध को देखते हुए सरकार ने इस निर्णय को स्थगित करने को मजबूर हुई। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने एसआईआर के दबाव में प्रदेश में शुक्रवार को एक और बीएलओ के द्वारा आत्महत्या की घटना को भी चिन्ताजनक कहा। उन्होने कहा कि अभी संभावित रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश में दो करोड़ नब्बे लाख से तीन करोड़ तक नाम मतदाता सूची से हटाये गये हैं। उन्होने दावा किया कि हटाए गए नाम गरीब तबके व प्रवासी मजदूरों के हैं। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर केन्द्रीय निर्वाचन आयोग का मतदाताओं का नाम हटाना एक क्रूरतम चेहरा है। वहीं उन्होने प्रदेश में बिजली कर्मियों व शिक्षकों के हक छीने जाने पर भी सरकार की घेराबंदी की। उन्होने कहा कि जनता को सस्ती बिजली और पानी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी की जगह सरकार के द्वारा बिजली किसी बड़े उद्योगपति को बेंची जा रही है। उन्होने कहा कि इससे बिजली कर्मियों की छंटनी होगी और यह कदम संविदा कर्मियों के लिए कैंसर की तरह है। उन्होने कहा कि कांग्रेस की सरकार जिस दिन वापस आयेगी वह कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने के साथ शिक्षकों को उनका अधिकार वापस दिलायेगी। वहीं जिले के प्राथमिक शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमण्डल जिलाध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल तथा लालगंज इकाई अध्यक्ष संतोष मिश्र की अगुवाई में सांसद प्रमोद तिवारी से मिला। प्रतिनिधिमण्डल में शामिल शिक्षकों ने टीईटी के मुददे को संसद में उठाए जाने के लिए सांसद प्रमोद तिवारी का माल्यार्पण कर आभार जताया। सांसद प्रमोद तिवारी ने स्थानीय बाजार में व्यापार मण्डल के संरक्षक डा0 रमाशंकर शुक्ल के आवास पर पहुंचकर हाल ही में उनके पौत्र के आकस्मिक निधन पर संवेदना प्रकट की। अठेहा क्षेत्र के अलावलपुर में उन्होने प्रधान राजपत सिंह की धर्मपत्नी के निधन पर भी परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट की। सांसद प्रमोद तिवारी ने अठेहा, उदयपुर, मंगापुर, सांगीपुर में भी लोगों से मुलाकात कर विधायक मोना के द्वारा संचालित विकास योजनाओं को पूर्ण कराने में सहयोग मांगा। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, केडी मिश्र, डॉ0 अमिताभ शुक्ल, दगपाल यादव, रामकृपाल पासी, शिवकुमार साहू, छोटेलाल सरोज, दयाशंकर तिवारी, विकास मिश्र, उदयशंकर दुबे, राजकुमार मिश्र, त्रिभु तिवारी, मुरलीधर तिवारी, दारा सिंह, शेरू खां, सुनील शुक्ल आदि रहे।

## न्यूज झरोखा

### कुकर में सांप देख परिजनों में मचा हड़कम्प

**पट्टी।** कोतवाली क्षेत्र के भानेपुर गांव निवासी उदय तिवारी के घर में बीते कई दिनों से एक सांप दिखाई दे रहा था, जिससे परिवार के सदस्य दहशत में थे। सांप के भय के कारण परिजन रातभर जागकर समय गुजारने को मजबूर थे और किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई थी।स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब सांप घर में रखे एक कुकर के अंदर जाकर बैठ गया। उदय तिवारी की पत्नी ने जब कुकर उठाया तो अंदर सांप को देख उनके होश उड़ गए। घटना के बाद पूरे परिवार ने रात जागकर बिताई।शनिवार की सुबह परिवार ने पट्टी कोतवाली क्षेत्र के बंधवा निवासी एक सर्प पकड़ने वाले को सूचना दी। सुबह करीब 11 बजे मौके पर पहुंचकर सर्प मित्र ने सुरक्षित तरीके से सांप का रेस्क्यू किया। सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ा गया, जिसके बाद परिवार ने राहत की सांस ली।

### बाइकों की आमने-सामने टक्कर, दो घायल

**पट्टी।** कोतवाली क्षेत्र के बेला रामपुर गांव निवासी ननकू राम पट्टी थाने में होमगार्ड के पद पर तैनात हैं। शनिवार सुबह करीब 9 बजे ड्यूटी के लिए एसडीएम आवास जा रहे थे। जैसे ही वह ब्लॉक गेट के पास पहुंचे सामने से आ रही एक बाइक से उनकी बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। दूसरी बाइक सवार थाना कोहंडौर क्षेत्र के उत्कर्ष गांव निवासी सुमित चला रहा था। जो एक विद्यालय में परीक्षा देने जा रहा था। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

### तेज रफ्तार वाहनों में हुई टक्कर, बाल-बाल बचे चालक

**पट्टी।** महुली मंडी से सब्जी लादकर उडैयाडीह बाजार जा रहे मैजिक डाला वाहन में सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे माल वाहक के परखच्चे उड़ गए। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के उडैयाडीह निवासी प्रेम शंकर गौतम सब्जी लेने प्रतिदिन महुली है, शनिवार की सुबह 10 बजे सब्जी लेकर लौटते समय सोनाही गांव के पुल पर तेज रफ्तार सामने से आ रहे दिलीप पुर थाना क्षेत्र के चैपई गांव निवासी ट्रैक्टर चालक आशीष कुमार की टक्कर हो गई। जानकारी मिलते ही मौके पर बेलखरनाथ धाम चैकी प्रभारी अनुपम पटेल हेड कांस्टेबल हरिश्चंद्र बिंद कांस्टेबल आशीष कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों को चैकी ले आए। दोपहर में दोनों पक्षों द्वारा आपस में सुलह समझौता करने के बाद वापस वाहन लेकर चले गए। टक्कर में दोनों चालकों को मामूली खरोंच आई है।

### विधवा ने मारपीट का लगाया आरोप

**पट्टी।** विधवा महिला ने गांव के ही कुछ लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए तहरीर पट्टी कोतवाली में दी है। महोखरी गांव निवासी पराना देवी पत्नी स्व० जमुना प्रसाद ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपित किया है कि शनिवार की सुबह व घर पर कुछ काम कर रही थी। तभी लगभग दस बजे पडोस के लोग लाठी डंडे लेकर उसके घर पर आ धमके और गाली गलौज करते हुए मारने की धमकी देने लगे। महिला ने किसी तरह घर में घुसकर अपनी जान बचाई। हल्ला गुहार पर जब आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। महिला ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है।

### भण्डारे में उमड़े श्रद्धालु, ग्रहण किया प्रसाद

**प्रतापगढ़।** जंगली वीर बाबा धाम में शनिवार को हुए भण्डारे में श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। लोकमंगल की कामना के साथ हुए भण्डारे मे स्थानीय लोगों के साथ अधिवक्ताओ तथा व्यापारियों की भी भीड़ जुटी दिखी। भण्डारे का संयोजन पूर्व प्रधान बृजेश द्विवेदी तथा अधिवक्ता संजय द्विवेदी ने किया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल तिवारी महेश, विकास मिश्र, राकेश तिवारी गुडडू, शास्त्री सौरभ, अक्षत तिवारी आदि रहे।

### महिला की पिटाई, आरोपी के खिलाफ केस

**प्रतापगढ़।** महिला की पिटाई को लेकर उदयपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के दर्रा गांव निवासी जयप्रकाश सिंह की पत्नी जयन्ती देवी ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि उसका खेत उदयपुर थाना क्षेत्र में है। बीती पचीस दिसंबर को सायं पांच बजे वह घर से खेत गयी थी। वहां सबमर्सिबल के पास गांव के सूरज पुत्र चितानू की संदिग्ध गतिविधियां देखकर टोकाटांकी की। इस पर आरोपी द्वारा गालीगलौज करते हुए उस पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चला गया। तहरीर के आधार पर उदयपुर पुलिस ने आरोपी सूरज के खिलाफ मारपीट व गालीगलौज तथा धमकी का केस दर्ज किया है।

# जिला जेल में बंदियों को दिए ऊनी कपड़े

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** जिला जेल में निरुद्ध बंदियों को शनिवार को व्हिसिल ब्लोअर हेल्थ आफीसर धीरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में ऊनी कपड़े वितरित किए गए। जेल में मां के साथ रहने वाले एक बच्चे को भी स्वेटर और गर्म कपड़ा दिया गया। इसके बाद बंदियों को बारी बारी से स्वेटर, जैकेट, पैंट, शर्ट और लोअर दिया गया। हेल्थ आफीसर ने कहा कि आपसी सहयोग से जुटाए गए कपड़े बंदियों में वितरित करने से आत्मसंतोष मिलता है। उन्होंने कहा कि जिला जेल में तमाम ऐसे बंदी भी निरुद्ध किए गए हैं जिनसे मिलने के लिए कोई नहीं आता अथवा मिलने वाला कोई नहीं होता, ऐसे बंदियों से मिलकर उनकी मदद करने से खुशी मिलती है और बंदियों को सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा मिलती है। इस दौरान जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी, जेलर वीरेन्द्र कुमार वर्मा, डिप्टी जेलर ध्रुव नारायण श्रीवास्तव, लालराम वर्मा, उपमा सिंह, विनोद सिंह, ममता सिंह,आशुतोष सिंह, बेटू, सुमन सिंह, कुलदीप सिंह, शांति सिंह, अंशुमान सिंह, भूपेन्द्र सिंह, विक्रम सिंह, रचना सिंह, सूर्यनारायण ललऊ सिंह मौजूद रहे।

# निर्बल व जरूरतमंदों की सेवा सबसे बड़ा पुनीत कार्य : नैंसी सिंह

## लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष द्वारा 500 से अधिक जरूरतमंदों को कंबल का वितरण

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष द्वारा शहर से 20 किलोमीटर दूर मोहनगंज जेठवारा मार्ग पर देव मैरिज लान पड़वासी में कंबल वितरण समारोह का आयोजन पूर्व प्रधान विनय कुमार शुक्ला लल्लू शुक्ला के सहयोग से आयोजित किया गया, कंबल वितरण का शुभारंभ उपजिलाधिकारी सदर नैंसी सिंह द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया ,कंबल वितरण के अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उपजिलाधिकारी नैंसी सिंह ने कहा कि शीत लहरी तथा ठंडक से बचाए हेतु निर्बल वर्ग तथा जरूरतमंदों को कंबल का वितरण सबसे बड़ा पुनीत कार्य है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा भी जरूरतमंदों को कंबल का वितरण किया जा रहा है ऐसे पुनीत कार्य में प्रशासन को सहयोग करने में समाज सेवी संस्थाओं का सहयोग अपेक्षित है, लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष द्वारा आज यहां जरूरतमंद को कंबल वितरण किया जा रहा है इसके लिए लायंस क्लब के पदाधिकारी तथा आयोजन बधाई के पात्र हैं उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की जानी चाहिए ,लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष एवं पूर्व प्रधान के नेतृत्व में कार्यक्रम में 500 से अधिक लोगों को कंबल वितरण किया गया। कंबल वितरण समारोह के प्रारंभ में लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष के अध्यक्ष लायन आशुतोष त्रिपाठी, सचिव आरबी सिंह ,पूर्व अध्यक्ष अश्वनी सिंह तथा व्यवस्थापक पूर्व प्रधान विनय कुमार शुक्ला लल्लू शुक्ला ने पुष्प गुच्छ ,प्रतीक चिन्ह व अंग वस्त्र से मुख्य अतिथि को सम्मानित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए लायन आशुतोष त्रिपाठी ने लायंस क्लब के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन क्लब के सचिव आर बी सिंह ने किया। कंबल वितरण कार्यक्रम में लायंस क्लब हर्ष के लायन लाल जी चैरसिया, लायन रामेश्वर पांडे,लायन कुंवर बहादुर सिंह, ला अरविंद सिंह , लायन दिनेश प्रताप सिंह ,लायन डॉ क्षितिज श्रीवास्तव ,लायन आशुतोष त्रिपाठी, लायन सुशील चंद्र शुक्ला,ला कृष्ण प्रताप सिंह तथा समाजसेवी गंगाधर तिवारी, राजकुमार तिवारी, कैलाश नाथ, चंद्र प्रकाश, सूर्यकांत शुक्ला, आदि लोग ने जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया अंत मे अध्यक्ष लायन आशुतोष त्रिपाठी तथा पूर्व प्रधान विनय कुमार शुक्ला ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया, अ भा क्ष क प के जिलाध्यक्ष राम लखन सिंह मौजूद रहे।

### सड़क पर आवारा मवेशी से टकराकर युवक घायल

**पट्टी।** जौनपुर जनपद के भदोही कस्बा निवासी अंकित सिंह (28) शुक्रवार देर रात बाइक से पट्टी कोतवाली क्षेत्र के बीबीपुर गांव स्थित अपने रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। जैसे ही वह रानीगंज-पट्टी मार्ग पर गोई गांव के पास पहुंचे, अचानक तेज रफ्तार से एक आवारा मवेशी सड़क पर आ गया, जिससे उनकी बाइक उससे टकरा गई।हादसे में अंकित सिंह के सिर व शरीर में गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही बेहोश हो गए। दुर्घटना होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर एंबुलेंस के माध्यम से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी पहुंचाया गया। जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ रेफर कर दिया। वहां युवक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

# क्रिकेट प्रतियोगिता में सरसी 11 ने जीता क्वार्टर फाइनल मुकाबला

अखंड भारत संदेश

**पट्टी।** पीसीएस ब्रदर्स कैनवास क्रिकेट प्रतियोगिता पारा में तीसरे दिन तीन मैच खेले गए। जिसमें दो लिग मैच व एक क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया।

पहला लीग मैच दादा 11 महाराजगंज व साहबान 11 पट्टी के बीच खेला गया। जिसमें साहबान 11 पट्टी ने निर्धारित आठ ओवरों में पहले बल्लेबाजी करते हुए 66 रन बनाए । जिसके जवाब में दादा 11 महाराजगंज ने चंचल के 40 रनों की मदद से यह मैच जीत लिया। दूसरा लीग मैच सरसी 11 व मान्धाता के बीच खेला गया। जिसमें सरसी के टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित आठ ओवरों में रोशन के 80 रनों की मदद से आठ ओवरों में 145 रन बनाए। जिसके जवाब में मान्धाता की टीम निर्धारित आठ ओवरों में 117 रन ही बना पाई और सरसी 11 28 रनों से यह मैच जीत गया। तीसरा मैच क्वार्टर फाइनल मैच दादा 11 महाराजगंज व सरसी के बीच खेला गया। जिसमें सरसी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित आठ ओवरों में अभिषेक के 67 व विवेक के 49 रनों की मदद से 142 रन बनाए। जिसके जवाब में दादा 11 महाराजगंज की टीम निर्धारित आठ ओवरों में 131 रन बना पाई। सरसी की टीम ने 12 रनों से यह मैच जीत लिया।

यहां पर मैच में आंपरिंग अजीत व पवन ने व कमेंटरी सौरभ व रवि ने किया। स्कोरिंग मंदीप ने व यहां पर कमेटी के शाद अली, भानू प्रताप, कुलदीप सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# निशुल्क नेत्र शिविर में उमड़े मरीज, बांटा गया चश्मा

**लालगंज।** रामपुर बावली के समीप सुन्दर नगर पंचवटी धाम स्थित आरएसएस इण्टर कालेज में शनिवार को निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में बडी संख्या में मरीजों की आंखो का चिकित्सकों ने परीक्षण किया। इनमें से सात मरीजों को मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। शिविर में समाजसेवी बलराम शुक्ल की ओर से नेत्र रोगियो को चश्मा भी प्रदान किया गया। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डा0 अनुज द्विवेदी तथा डा0 मल्लिकार्जुन पाण्डेय ने आंखों की रखरखाव तथा सुरक्षा के बाबत जागरूकता प्रदान की। संरक्षक पं0 रमाशंकर शुक्ला ने चिकित्सीय टीम को ग्रामीणों की ओर से सम्मानित किया। प्रधान अनेहरा दिवाकर शुक्ल ने शिविर का संयोजन किया। डा0 सर्वेश त्रिपाठी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर रामकृष्ण शुक्ला, राज नारायण शुक्ल, श्याम लाल सरोज, बिहारी प्रजापति, उर्मिला देवी, लक्खू देवी, जयराजा देवी आदि रहे।

### बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी

**पट्टी।** कोतवाली क्षेत्र के कुम्हिया वार्ड नंबर दस निवासी सचिन धुरिया ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि वह अपने पूरे परिवार के साथ मुंबई में रहता है। इस दौरान पड़ोसियों ने उसके बंद मकान का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के गहने व अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया तथा मकान पर कब्जा कर लिया।पीड़ित का आरोप है कि जब वह मामले की जानकारी लेने पहुंचा तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए भगा दिया। पीड़ित ने पुलिस से मामले में जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस प्रार्थना पत्र के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

# अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम पर हुआ रणनीतिक मंथन, किया गया सम्मान

**लालगंज।** अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को लेकर संघर्ष में योगदान के लिए शनिवार को यहां आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएसन के कार्यालय पर अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया। वही यूपी बार काउन्सिल के चुनाव में लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी महेश के समर्थन को लेकर रणनीतिक चर्चा हुई। अधिवक्ताओं ने सदस्य पद पर अनिल कुमार तिवारी महेश के समर्थन का जोशीला ऐलान किया। कार्यक्रम में शामिल अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक को लेकर संघर्ष का संकल्प जताया। वही अधिवक्ताओं में प्रदेश के विभिन्न जिलों में अधिवक्ता सुरक्षा यात्रा को लेकर साथियों के मिले जोरदार समर्थन को लेकर उत्साह भी दिखा। एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल तथा राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी ने वरिष्ठ अधिवक्ता रामसजीवन वर्मा को अंगवस्त्र तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता टीपी यादव व संचालन महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय व संयोजन यात्रा के प्रदेश संयोजक विकास मिश्र ने किया। इस मौके पर पूर्व महामंत्री प्रवीण यादव, विभाकरनाथ शुक्ला, रोशन सरोज, हरेकृष्ण तिवारी, अरूण तिवारी, आदि अधिवक्ता रहे।

# रोज स्वास्थ्य सेवाएं चौपट रहने वाली पीएचसी में सीएमओ को मिली बेहतर व्यवस्था

## सीएमओ के निरीक्षण के पूर्व अस्पताल पहुंच गए डॉक्टर कर्मी को निरीक्षण की जानकारी देने वाला कौन

अखंड भारत संदेश



**कौशांबी।** मूरतगंज विकासखंड क्षेत्र के संपूर्ण सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से चौपट हैं अस्पताल के डॉक्टर से लेकर फार्मासिस्ट तक निजी नर्सिंग होम संचालक में व्यस्त दिखाई पड़ रहे हैं तमाम ऐसे अस्पताल है जहां महीना बीत जाने के बाद डॉक्टर अस्पताल नहीं पहुंचते हैं सरकारी अस्पतालों में मरीजों को इलाज नहीं मिलता है सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं मरीजों तक नहीं पहुंच पाती हैं मामले को लेकर सोशल मीडिया में समाचार वायरल हुआ जिसके बाद शनिवार को सीएमओ अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे और निरीक्षण के दौरान उन्हें आल ओके मिला है जिससे पूरी व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल फिर खड़ा हो गया है कि आखिर सीएमओ के निरीक्षण के पूर्व विभाग का विभीषण कौन है जिसने डॉक्टर और कर्मचारियों को सीएमओ के पहुंचने के पूर्व उनके आने की जानकारी दे दी जिससे चौपट व्यवस्था तो नहीं सुधर सकी लेकिन ड्यूटी से गायब रहने वाले कर्मचारी डॉक्टर बच गए और लापरवाह डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों पर कार्यवाही नहीं हुई हैं या फिर विभागीय अधिकारी ने खुद विभीषण का काम किया है और सरकारी अस्पतालों के स्वास्थ्य सेवाओं को चौपट करने वालों को बचाने का नाटक रचा है यह बड़ी जांच का विषय है सूत्रों की माने तो बीते 20 वर्षों से सरकारी अस्पताल के डॉक्टर से लेकर के निजी अस्पताल तक से विभाग के लोग करोड़ों की वसूली कर रहे हैं लेकिन वसूली करने वालों पर भी कार्रवाई नहीं हुई है।

निरीक्षण के बाद सीएमओ कौशांबी ने जानकारी दी है कि सीएचसी का आलमचंद का दिनांक 27 दिसंबर 2025, समय दोपहर 12:30 बजे औचक निरीक्षण किया गया स्वास्थ्य व्यवस्थाएँ सुदृढ़ है मरीजों की सुविधा सर्वोपरि है निरीक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना तथा मरीजों को मिल रही सुविधाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना था।निरीक्षण के समय सभी चिकित्सक नर्सिंग स्टाफ पैरामेडिकल कर्मी एवं अन्य कर्मचारी पूर्ण रूप से उपस्थित पाए गए, जो संस्थान में अनुशासन, समयपालन एवं सेवा-भावना को दशार्ता है। सीएमओ का कहना है कि लेबर रूम, फामेर्सी व इमरजेंसी सेवाओं की गहन जांच की गई लेबर रूम की कार्यप्रणाली, प्रसव सेवाएँ, दवा उपलब्धता, फामेर्सी स्टॉक एवं आपातकालीन दवाओं की विस्तार से जांच की गई।उनका कहना है कि निरीक्षण में सभी व्यवस्थाएँ संतोषजनक एवं मानकों के अनुरूप पाई गईं।ठंड को देखते हुए शीत लहर से बचाव और प्रबंधन के लिए बनाई गई कार्ययोजना पर सख्त निर्देश दिए हैं मौजूदा कड़ाके की ठंड एवं शीतलहर को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि:शीत लहर से बचाव और प्रबंधन के लिए बनाई गई कार्ययोजना का पूर्ण पालन किया जाए मरीजों को ठंड से बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित हो किसी भी मरीज को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए सभी को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का पूरा लाभ मिले सीएमओ का कहना है कि 102 व 108 एंबुलेंस सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा गया सीएमओ ने 102 एवं 108 एंबुलेंस सेवाओं को निर्देशित किया कि रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रखा जाए सूचना मिलते ही एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुँचे इस अवसर पर सीएमओ ने अपना व्यक्तिगत मोबाइल नंबर एंबुलेंस चालकों एवं संबंधित कर्मियों को उपलब्ध कराते हुए निर्देश दिया कि:किसी भी आपात स्थिति या गंभीर घटना की सूचना तुरंत सीधे मुझे दी जाए, ताकि किसी भी स्तर पर विलंब न हो। जबकि सीएमओ के सीयूजी नंबर पर भी मरीज की बात नहीं होती है तो इनका निरीक्षण केवल ड्रामेबाजी तक सीमित रहा उनका कहना है कि पीएचसी निरीक्षण किया एवं बीपीएमयू यूनिट को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय दिए निरीक्षण के क्रम में पीएचसी का भी निरीक्षण किया गया।निरीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि वहां बीपीएमयू यूनिट के संचालन हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है।इस पर सीएमओ द्वारा यह महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी निर्णय लिया गया कि:बीपीएमयू यूनिट को सीएचसी आलमचंद में स्थानांतरित किया जाए पीएचसी को बंद नहीं किया जाएगा पीएचसी की सभी स्वास्थ्य सेवाएँ यथावत चलती रहेंगी आशा, एएनएम, फील्ड वर्कर, सीएचओ एवं अन्य स्टाफ को बेहतर सुविधा, समन्वय एवं कार्य-परिस्थितियाँ उपलब्ध कराई जाएँगी निरीक्षण से स्पष्ट संदेश मिला इस औचक निरीक्षण से यह स्पष्ट संदेश गया कि:जिला प्रशासन मरीजों की सुरक्षा व सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी सभी स्वास्थ्य संस्थानों को उत्तरदायी, सक्रिय एवं जन-केन्द्रित बनाया जा रहा है लेकिन सीएमओ के निरीक्षण के बाद फिर बड़े सवाल खड़े हो गएहैं आखिर सीएमओ के निरीक्षण में ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं कैसे मिलती हैं जबकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल रही है और बीते दिनों पूर्व जिला अधिकारी ने भी अस्पताल का निरीक्षण कराया था जहां अस्पतालों की व्यवस्थाएं चौपट मिली थी तो स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को चौपट करने वाले डॉक्टर और कर्मचारियों से सीएमओ के क्या है रिश्ते हैं यह बड़ी जांच का विषय है हालांकि सेलरहा पश्चिम टिकरा टेवा महगांव कनैली बैंसकांटी अमनी लोकीपुर चांदीपुर परसरा म्यौहर करारी सहित तमाम ऐसे सरकारी अस्पताल है जो पूरी तरह से चौपट हो चुके हैं उप स्वास्थ्य केंद्र तो जिले के लगभग सभी चौपट हैं स्वास्थ्य सेवाएं की स्थिति बर्बाद हो चुकी है मरीज परेशान है लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों को निरीक्षण में आल ओके मिलता है यह कैसे हो रहा है इस मामले में शासन प्रशासन को संज्ञान लेना होगा कि खामियां कहां है।

## योजना के तहत कैंप लगाकर उपभोक्ताओं को दिया गया विद्युत बिल में भारी छूट का लाभ



**नेवादा कौशाम्बी।** अधिशासी अभियंता विद्युत चायल के आदेशानुसार विद्युत वितरण खंड चायल के पेरवा पावर हाउस के अवर अभियंता महेंद्र कुमार वर्मा ने पावर हाउस क्षेत्र के औधन गांव में विद्युत बिल समाधान कैंप लगाकर उपभोक्ताओं को विद्युत बिल में होने वाले छूट का लाभ दे कर विद्युत उपभोक्ताओं को राहत दिया है जिससे विद्युत उपभोक्ताओं ने बकाया विद्युत बिल जमा किया उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के 1 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक विद्युत बिल जमा करने के ब्याज में 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी साथ ही मूलधन में 25 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा उन्होंने कहा कि विद्युत चोरी के सभी श्रेणी के प्रकरणों में राजस्व पेनाल्टी पर भी 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी और यह भी कहा कि जो उपभोक्ता प्रथम चरण में विद्युत बिल नहीं जमा कर सकता वह इस योजना में लाभ लेने के लिए 2000 रुपए जमा करके पंजीकरण करा सकते हैं अथवा जिनको कैंप में रजिस्टेशन न करने हो वह खंड एवं उपखंड कार्यालय में रजिस्टेशन करा सकते हैं और छूट का लाभ ले सकते हैं पावर हाउस के कर्मियों ने गांव मे घूम-घूम कर ग्रामीणों को बकाया विद्युत बिल में छूट लेने का आवाहन किया।

## स्कूल में चोरों ने ताला तोड़कर की चोरी, एमआरयूएन स्कूल बना निशाना

**कौशांबी।** सैनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत गोविंदपुर गोरियो गांव में स्थित एमआरयूएन स्कूल में चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।जानकारी के अनुसार अज्ञात चोर रात के समय स्कूल परिसर में घुसे और कमरों के ताले तोड़ दिए। चोरों ने स्कूल में रखा सामान खंगालते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सुबह जब स्कूल स्टाफ मौके पर पहुंचा तो ताले टूटे देख घटना की जानकारी हुई।सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने सैनी कोतवाली पुलिस को अवगत कराया। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुट गई है। स्कूल प्रबंधन द्वारा चोरी गए सामान की जानकारी एकत्र की जा रही है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों का पता लगाया जाएगा।

## पीजी कॉलेज के नाम पर विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं स्कूल प्रबंधक

**कौशांबी।** चायल तहसील क्षेत्र के मूरतगंज भीखमपुर में विश्वनाथ प्रसाद पीजी कॉलेज की मान्यता लगभग 9 वर्ष पूर्व यूनिवर्सिटी से मिली लेकिन 9 वर्षों के बीच यह विद्यालय शिक्षण व्यवस्था पर खरा नहीं साबित हो सका है फजीर्वाडा करके विद्यालय की मान्यता तो ले ली गई है लेकिन नियम अनुसार विद्यालय का संचालन नहीं हो रहा है प्रबंधक की मनमानी के चलते पीजी कॉलेज में पढ़ने वाले सैकड़ो विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद हो रहा है बताया जाता है कि यूनिवर्सिटी से जिन शिक्षकों की डिग्री लगा करके विद्यालय की मान्यता कराई गई है वह शिक्षक विद्यालय में ड्यूटी नहीं देते हैं आखिर जिन शिक्षकों के नाम पर यूनिवर्सिटी ने अप्रूवल किया है उनसे ड्यूटी नहीं ली जा रही है विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे भी विद्यालय के फर्जी शिक्षकों के कारनामों का खुलासा कर सकते हैं फर्जी शिक्षकों का नाम भेज करके पीजी कॉलेज की मान्यता ले ली गई है लेकिन विद्यालय के इस गोरख धंधे पर अभी तक कार्यवाही नहीं हो सकती है जिन शिक्षकों के नाम पर पीजी कॉलेज का अप्रूवल हुआ है यदि वह ड्यूटी नहीं दे रहे हैं तो फिर विद्यालय का संचालन कैसे हो रहा है लेकिन अभी तक अप्रूवल किए गए शिक्षकों की ड्यूटी के मामले में जांच नहीं कराई गई है किस शिक्षक के सहारे पीजी कॉलेज का संचालन प्रबंधक कर रहे हैं यह बड़ी जांच का विषय है जिन टीचरों को विश्वविद्यालय से अप्रूवल दिया गया है उन टीचरों का पेमेंट विद्यालय प्रबंधक द्वारा कैसे दिया जा रहा है क्या बैंक अकाउंट में शिक्षकों का सेलरी का पेमेंट प्रबंधक द्वारा प्रत्येक महीने भेजा जाता है यह बड़ी जांच का विषय है या फिर शिक्षकों को नगद पेमेंट दिया जा रहा है जबकि शिक्षकों को सेलरी का नगद पेमेंट दिए जाने का शासनादेश में प्रावधान नहीं है जिन शिक्षकों का पीजी कॉलेज में अप्रूवल हुआ है उनके बैंक अकाउंट में प्रत्येक महीने उनके वेतन का भुगतान विद्यालय द्वारा भेजा जा रहा है या फिर बैंक अकाउंट में शिक्षकों के वेतन का भुगतान नहीं भेजा जा रहा है पीजी कॉलेज के घोटाले में इस गंभीर बिंदु की यदि बिंदु वार जांच कर लिया जाए तो विश्वनाथ प्रसाद पीजी कॉलेज के घोटाला का बड़ा खुलासा होगा लेकिन अभी तक शासन से लेकर के यूनिवर्सिटी तक ने विश्वनाथ प्रसाद पीजी कॉलेज के घोटाले का खुलासा करने का प्रयास नहीं किया है जिससे पीजी कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का भविष्य बर्बाद हो रहा है विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही है और फजीर्वाडा करके प्रबन्धक मालामाल हो रहा है पीजी कॉलेज के फर्जी वाडे की जांच करवा कर फर्जी वाडा करने वाले प्रबंधक और प्रधानाचार्य पर मुकदमा दर्ज कराकर गिरफ्तारी कराए जाने की मांग स्थानीय लोगों ने जिला अधिकारी से की है।

## मूरतगंज पीएचसी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं चौपट कई अस्पतालों में महीनों बीत जाने के बाद नहीं पहुंचते चिकित्सक

**कौशांबी।** प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज के अंतर्गत संचालित भरवारी स्वास्थ्य केंद्र अमनी लोकीपुर स्वास्थ्य केंद्र में महगांव स्वास्थ्य केंद्र अलामचंद स्वास्थ्य केंद्र सहित विभिन्न सरकारी अस्पतालों में जिम्मेदारों की उदासीनता और लापरवाही के चलते पूरी स्वास्थ्य सेवाएं चौपट हो गई हैं तमाम अस्पतालों में महीना बीत जाने के बाद चिकित्सक नहीं पहुंचते हैं जिससे मरीजों को इलाज नहीं मिलता है सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं योजनाओं का लाभ मरीजों को नहीं मिल रहा है चिकित्सकों के न पहुंचने से एएनएम और नर्स भी लापरवाह हो गई है क्षेत्र के उप स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह से बंद हो चुके हैं जहां महिलाओं को प्रसव और टीकाकरण की सुविधा नहीं मिल रही है जिससे योगी सरकार की योजना चौपट होती दिखाई पड़ रही है प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कुछ इलाज औपचारिकता निभाने के लिए मरीजों को मिल जाता है लेकिन सरकार द्वारा संचालित संपूर्ण सुविधा मूरतगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी मरीज को नहीं मिल रही है चौपड़ सब व्यवस्था को सुधार करने और पीएचसी प्रभारियों की लगन करने का प्रयास मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने भी नहीं किया है बताया जाता है कि इस ब्लॉक क्षेत्र में संचालितपांच सरकारी अस्पतालों में आधे से अधिक चिकित्सक निजी नर्सिंग होम में संचालन में व्यस्त दिखाई पड़ रहे हैं जबकि उन्होंने उच्च न्यायालय में शपथ पत्र दिया है कि वह निजी नर्सिंग होम का संचालन नहीं करते हैं उसके बाद भी उनका निजी नर्सिंग होम संचालित हो रहा है जो पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है अस्पतालों में मरीज पहुंचते हैं उन्हें इलाज नहीं मिलता जिससे मजबूर हो करें मैरिज अब निजी नर्सिंग होम में इलाज करने के लिए पहुंच रहे हैं इलाके में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है लेकिन उसके बाद पीएचसी प्रभारी झोलाछाप डॉक्टरों के इलाज पर रोक लगाने पर कार्रवाई करने नहीं कर रहे हैं जिससे झोलाछाप डॉक्टरों के अस्पताल और क्लिनिक संख्या तेजी से बड़ी है और इस मामले में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की भूमिका पर सवाल खड़े हैं ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य सेवाएं : उप-केंद्र (SC), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) : ये ग्रामीण और स्थानीय स्तर पर बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें डढऊ दवाएं, टीकाकरण और सामान्य प्रसव शामिल हैं।

**राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM):** मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, टीकाकरण और संक्रामक रोगों (TB, पोलियो, मलेरिया) के नियंत्रण पर केंद्रित है जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम : गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं.विशेषज्ञ सेवाएं: आंखों, दांतों, त्वचा रोगों, पैथोलॉजी और फिजियोथेरेपी जैसी सेवाएं विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध हैं. आवश्यक औषधि सूची (ईडीएल): आवश्यक औषधि सूची में वे जेनेरिक औषधियाँ शामिल हैं जो राज्य की अधिकांश आबादी की प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक हैं। उत्तर प्रदेश में, आवश्यक औषधि सूची को लगभग 1300 से घटाकर लगभग 300 कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख योजनाओं में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान जैसी योजनाएं शामिल हैं, जो मातृ एवं बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, टीकाकरण, और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए कैशलेस सुविधा प्रदान करती हैं, जिसमें जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) जैसी योजनाएँ भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आती हैं.लेकिन इलाके में मरीजों को किसी प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं मिलती नहीं दिख रही है।

## ठंड में ठिठुर रहे गरीब लाचार अलाव कम्बल गायब

**कौशांबी।** बीते कई दिनों से ठंड का प्रकोप तेजी से बढ़ गया है गरीब लाचार ठंड से कांप रहे हैं सरकार की ओर से अलाव जलाए जाने और लाचार कमजोर को कंबल वितरण किए जाने के लिए करोड़ों का बजट सरकारी खजाने में भेजा गया है ग्राम पंचायत से लेकर नगर पालिका नगर पंचायत तहसील और खंड विकास अधिकारी कार्यालय में भारी भरकम बजट अलाव जलाए जाने के लिए मौजूद है कम्बल वितरण करने के लिए भी बड़ा बजट मौजूद है लेकिन अभी तक सार्वजनिक स्थल अस्पताल चौराहा बस स्टॉप रेलवे स्टेशन भीड़ भाड़ आबादी बाजार में अलाव जलते नहीं दिख रहे हैं पुलिस विभाग ने 3 दिन पहले कुछ लोगों को कम्बल का वितरण किया था लेकिन पुलिस द्वारा वितरण किया गया कम्बल गरीब कमजोर के लिए पर्याप्त नहीं साबित हुआ है अभी तक तहसील प्रशासन से लेकर के गांव गांव में कम्बल वितरण नहीं कराया गया है नगर पालिका नगर पंचायत में भी कम्बल का वितरण लाचार कमजोर को नहीं किया है समाज में हिमायती बनने का ठेका लेने वाले नेता जनप्रतिनिधि और स्वयंसेवी संस्था के लोगों ने भी लाचार गरीबों के बीच कम्बल का वितरण नहीं किया है अलाव जलाकर गरीब कमजोर लाचार को राहत देने का प्रयास स्वयंसेवी संस्था जिम्मेदारों नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने भी नहीं किया है जिससे गरीब कमजोर ठंड में कांप रहे हैं हालांकि अलाव जलाए जाने के नाम पर और कम्बल वितरण किए जाने के नाम पर सरकारी खजाने से करोड़ों की रकम खर्च कर दी जाएगी और गरीबों तक योजना का लाभ नहीं पहुंचेगा यही सरकारी व्यवस्थाएं हैं अफसर नेताओं के घरों से लेकर ऑफिस और उनके वाहनों में गरम हीटर चल रहे हैं जिससे उन्हें ठंडी का एहसास नहीं हो रहा है उनके घरों में गर्म कपड़े का भंडार भरा है जिसे इन अफसर नेताओं को ठंडी का एहसास नहीं हो रहा है।

## हजारों एकड़ सरकारी भूमि की ठेकेदारों ने निकाल लिया मिट्टी

### सरकारी संपत्तियों से मिट्टी खनन कर उसका अस्तित्व मिटाने वाले ठेकेदारों पर मेहरबान अधिकारी

**कौशांबी।** जिले की विभिन्न सड़कों का निर्माण ठेकेदारों के जरिए सरकार कराती है सड़क निर्माण का पूरी कार्य योजना बनाकर ठेकेदारों को निर्माण की कीमत का भुगतान सरकारी खजाने से होता है लेकिन उसके बाद सड़क निर्माण में लगे ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों की साठगांठ के बाद सरकारी संपत्तियों को ठेकेदार खुले आम बर्बाद कर रहे हैं बंजर ऊसर नवीन परती खलिहान तालाब आदि सरकारी जमीनों से बीते 10 वर्षों से खुलेआम मिट्टी का खनन सड़क निर्माण के ठेकेदारों द्वारा किया जा रहा है एक दो संपत्तियों की बात करना तो बेमानी होगी जिले की सैकड़ो सरकारी संपत्तियों से सड़क निर्माण के ठेकेदारों ने मिट्टी खनन करके सरकारी संपत्तियों को अस्तित्व विहीन बना दिया है सरकारी संपत्तियों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं एक दो बीघा जमीनों की बात करना तो बेमानी होगी कई हजार बीघा जमीनों से सड़क निर्माण में लगे ठेकेदारों ने मिट्टी खनन करके मिट्टी निकाल लिया है और सड़क निर्माण में उपयोग कर लिया है अधिकारियों के संरक्षण में पलने वाले ठेकेदार दोहरा लाभ उठा रहे हैं एकदम सरकारी जमीन से मिट्टी खनन करके धन बचा रहे हैं तो दूसरी तरफ सड़क निर्माण के बजट में सरकार से लाखों करोड़ों का भुगतान करवा रहे हैं फोरलेन सड़क के निर्माण से लेकर के राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में ठेकेदारों ने सरकारी संपत्तियों से मिट्टी निकाल कर सरकारी जमीनों को बर्बाद कर दिए हैं अधिकारी तमाशबीन बने रह गए हैं सरकारी जमीन से मिट्टी खनन के मामले की जांच के नाम पर बीते कई वर्षों से केवल अधिकारियों का नाटक होता रहा इन दिनों फिर राम वन गमन मार्ग के निर्माण से लेकर के एयरपोर्ट सड़क निर्माण में लगे ठेकेदारों द्वारा सरकारी जमीन से खुलेआम मिट्टी खनन किए जा रहे हैं पूरे दिन सरकारी जमीनों में जेसीबी मशीन पोकलैंड मशीन गरज रही है और मिट्टी खनन कर रही है सैकड़ो डंपर सैकड़ो ट्रैक्टर से मिट्टी सड़क पर उतर रही है लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारियों को सरकारी जमीन से मिट्टी खनन दिखाई नहीं पड़ रहा है आखिर इन ठेकेदारों से अधिकारियों की क्या साठगांठ है यह बड़ी जांच का विषय है सिराथू तहसील क्षेत्र के कादी पुर वा मंझनपुर तहसील के रामपुर बसोहरा अम्बावा गांव के आसपास सैकड़ो एकड़ से अधिक सरकारी जमीन की मिट्टी खनन हो चुकी है इसी तरह सिराथू तहसील के परसखी तड़हड गांव और उसके आसपास के सैकड़ो एकड़ जमीन की मिट्टी खनन हो चुकी है मंझनपुर तहसील के कुम्हियावा सरसवा और उसके आसपास की सैकड़ो एकड़ सरकारी जमीन से मिट्टी की खनन हो चुकी है इसी तरह चायल तहसील क्षेत्र के मूरतगंज के बदनपुर पल्हना पन्नोई और उसके आसपास के कई गांव की सैकड़ो एकड़ जमीन की मिट्टी खनन सड़क निर्माण में लगे ठेकेदारों द्वारा कराई जा चुकी है सैकड़ो डंपर ट्रक ट्रैक्टर मिट्टी के परिवहन में खुलेआम लगे हैं लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी केवल ठेकेदारों का गुणगान करते देखे जाते हैं।

## विवाहिता की हत्या करने वाले पति ससुर सास गिरफ्तार

**कौशांबी।** मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खेरवा मजरा बरौला में गुरुवार की रात्रि में एक विवाहिता युवती को उसके ससुराल के लोगों ने धोखे से जहर खिला दिया जिससे तड़प तड़प कर विवाहिता की दर्दनाक मौत हो गई पति सास ससुर द्वारा लगातार दहेज की डिमांड की जा रही थी दहेज के लालची पति ससुर और सास द्वारा दहेज की मांग ना पूरी होने पर विवाहिता के साथ बार-बार मारपीट और प्रताड़ित किया जाता है ससुराल के लोगों की अत्याचार की हद तो तब हो गई जब 25 दिसंबर की रात में पति सास ससुर ने विवाहिता को जहर खिलाकर उसकी हत्या कर दिया विवाहिता की माता सुनीता देवी निवासिनी चन्दूपुर अमरायन थाना सराय अकिल ने मंझनपुर कोतवाली पुलिस को सूचना देकर विवाहिता की हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी किए जाने की मांग की मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने मामले में मु0अ0सं0 449/25 धारा 80(2)/85 बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट पंजीकृत किया विवाहिता की हत्या करने वाले पति राजेश गुप्ता पुत्र अर्जुन प्रसाद गुप्ता वा ससुर अर्जुन प्रसाद गुप्ता पुत्र छोटेलाल गुप्ता वा सास राजकुमारी पत्नी अर्जुन प्रसाद गुप्ता निवासीगण ग्राम खेरवा मजरा बरौला थाना मंझनपुर को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

## बिना डिग्री के डॉक्टर बना सिद्दीकी चला रहा बड़ा हॉस्पिटल

अखंड भारत संदेश

**सीएमओ कार्यालय से जुड़े सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर क्या इस अस्पताल के साझेदार है**




**कौशांबी।** जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चौपट होती दिखाई पड़ रही है जिले के गांव कस्बे बाजार चौराहा गली में हजारों झोलाछाप डॉक्टर की भरमार है तो कहीं मेडिकल की डिग्री बगैर बड़े-बड़े अस्पतालों का संचालन स्वास्थ्य माफियाओं द्वारा किया जा रहा है अब तो अस्पताल संचालन में भी बड़े-बड़े माफियाओं की दखलअंदाजी हो गई है एक-एक डॉक्टर के चार-चार अस्पताल चलने लगे हैं वह कथित डॉक्टर कहां मरीज को देखते होंगे कहां मरीज का इलाज करते होंगे कोई बताने वाला नहीं है तो कितने मरीजों का पेट चीरकर कथित डॉक्टर द्वारा ऑपरेशन के नाम पर मरीज के परिवार से धन की वसूली होती है यह मरीज के इलाज की वसूली है या फिर मरीज का पेट चीरकर परिवार से लूट हो रही है जिसके पास डॉक्टर की डिग्री नहीं है वह मरीज का पेट चीरकर इलाज के नाम पर कैसे लाखों रुपए ले रहा है यह स्वास्थ्य विभाग पर बड़ा सवाल खड़ा है सड़क के लुटेरों और बिना डिग्री के पेट चीरकर धन वसूली करने वालों में क्या अंतर रह गया है इस तरह के कथित डॉक्टर के अस्पताल में मरीजों का इलाज तो ठीक तरीके से नहीं होता है उनका स्वास्थ्य नहीं ठीक होता है लेकिन मरीजों को इलाज के नाम पर उन्हें बड़े-बड़े पर्चा बनाकर के उनसे लाखों की वसूली अस्पताल में मौजूद संचालकों द्वारा की जाती है कभी मरीज गंभीर होता है तो उसे रेफर कर दिया जाता है और अक्सर तो मरीज की मौत हो जाती है लेकिन अस्पताल में मरीजों के इलाज का लेखा-जोखा भी नहीं बनाया जाता है कि किस मरीज को कब भर्ती किया गया है और कब उसको कौन सी दवाई दी गई है कब किस मरीज की मौत हो गई है या फिर उसे रेफर किया गया है इसी तरह का एक अस्पताल सराय अकिल कस्बे के बेनीराम कटरा में अस्पताल संचालित हो रहा है इस अस्पताल का संचालन डॉक्टर सिद्दीकी कर रहा है बताया जाता है कि डॉक्टर सिद्दीकी के पास मेडिकल की डिग्री नहीं है दूसरे अस्पताल में कुछ दिन तक वार्ड ब्याय का काम करने के बाद सिद्दीकी ने सराय अकिल में अस्पताल खोल लिया और माफियाओं की तर्ज पर मरीजों से वसूली कर अकूत संपत्ति अर्जित की है यह अस्पताल स्वास्थ्य विभाग के मानक को नहीं पूरा कर रहा है लेकिन फिर भी सराय अकिल की मुख्य सड़क पर बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर यह अस्पताल मरीजों का इलाज कर रहा है लेकिन कभी स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों ने इस अस्पताल के अभिलेखों को चेक कर हकीकत लाने का प्रयास नहीं किया है जिससे पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े हैं कि बिना डिग्री के सिद्दीकी कैसे अस्पताल का संचालन कर रहा है या फिर सीएमओ कार्यालय से जुड़े सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर इस अस्पताल के साझेदार है जिन्होंने हाईकोर्ट में हलफनामा भी दिया है कि वह निजी प्रैक्टिस नहीं कर रहे हैं और उसके बाद सीएमओ कार्यालय से जुड़े सरकारी डॉक्टर इस हॉस्पिटल का संचालन कर रहे हैं यह बड़ी जांच का विषय है लेकिन उसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जांच करते नहीं देखे जाते हैं डॉक्टर के चेंबर में बैठा सिद्दीकी पूरे दिन मरीजों का इलाज कर रहा है इसकी क्या डिग्री है या फिर सीएमओ इस कथित डॉक्टर सिद्दीकी के संपूर्ण गुनाह को माफ करके अवैध अस्पताल के संचालन को बढ़ावा देने वाले लोगों पर मेहरबानी बनाए रखेंगे।

## न्यूज झरोखा

### अनियंत्रित होकर गिरे बाइक सवार ,हुए चोटिल



**अझुवा कौशाम्बी।** सैनी कोतवाली के राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक बाइक सवार ठंड से अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए जिससे बाइक सवार युवक चोटिल हो गए। घटनाक्रम के मुताबिक संदीप पुत्र रामचंद्र निवासी पैली गढ़वा थाना खखरेरू और धर्म सिंह पुत्र सुरेश निवासी रमसगरा खागा फतेहपुर बाइक से संदीप के ननिहाल सौरई बुजुर्ग गए थे आज शनिवार शाम घर वापस जाते समय अझुवा कस्बे के नजदीक हाइवे पर अनियंत्रित होकर बाइक सवार सड़क पर गिर गए जिससे दोनों युवक चोटिल हो गए मौके पर रहे राहगीरों,कस्बेवासियों ने दोनों युवकों को नजदीकी अस्पताल में उपचार हेतु भेजा जहां दोनों का उपचार चल रहा है। वहीं मौके पर रहे लोगों के अनुसार दोनों युवक नशे में धुत बताए जा रहे हैं।

### भरवारी कस्बे में रविवार को हर्षा रिछारिया का हो रहा आगमन



**भरवारी कौशाम्बी।** भटकाव और नशे से जूझ रहे युवाओं को अपनी सनातन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़कर आत्मबल जाग्रत करने एवं महिला शसक्तीकरण के उद्देश्य से सनातनी हर्षा रिछारिया जी शक्ति सृजन एक आध्यात्मिक यात्रा अभियान को लेकर राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के तत्वावधान में 28 दिसंबर 2025 दिन रविवार को भरवारी के लखन लाल रिसॉर्ट एंड बैंक्वेट हाल में अपराह्न 1 बजे आगमन हो रहा है।राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष अरविन्द केसरवानी एवं नगर अध्यक्ष नीरज बनारसी ने युवाओं एवं महिलाओं का आवाहन करते हुए कहा है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सनातनी हर्षा रिछारिया के प्रेरक उद्बोधन को आत्मसात करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाए। उक्त जानकारी राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन भरवारी के अध्यक्ष नीरज बनारसी ने दी है।

### दुकान के बाहर खड़ी बाइक को हटाने के विवाद में युवक को पीटा



**कौशाम्बी।** पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के गढ़ी बाजार रक्सौली में शुक्रवार की शाम को चाय नाश्ते की दुकान के बाहर कुछ लोगों की बाइक खड़ी थी और बाइक खड़ी करके लोग दुकान में चाय नाश्ता कर रहे थे इसी बीच गांव के बृजेश कुमार पहुंचे और बाइक हटाने को कहा लेकिन नाश्ता कर रहे लोगों ने बाइक नहीं हटाई जिस पर उनके बाइक के सामने बृजेश कुमार ने भी अपनी बाइक खड़ी कर दी इस बात को लेकर बृजेश कुमार का दूसरे पक्ष के युवकों से विवाद हुआ विवाद यही शांत नहीं हुआ बृजेश से विवाद के बाद दूसरे पक्ष के युवकों ने मामले की जानकारी अपने लोगों को दी देखते-देखते कई लोग मौके में पहुंच गए और बृजेश को बेरहमी से पीटा है बताया जाता है कि दोनों पक्षों के बीच में पहले से जमीन का विवाद है और जमीन के पुराने विवाद के चलते दोनों के बीच शुक्रवार को फिर विवाद हुआ है बताया जाता है कि निरंजन सिंह गुड्डू सिंह झानू सिंह ने बृजेश सिंह को मारपीट कर घायल कर दिया है पूरा मामला बाइक हटाने को तो मात्र बहाना था दुकान के बाहर खड़ी बाइक को दबंगों ने लाठी-डंडों से तोड़ दिया है विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई है पीड़ित ने पश्चिम शरीरा थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

### मानसिंह इंटर कालेज मे ओपन जिला बालिबल प्रयोगिता का आयोजन



**टेढ़ी मोड़ कौशाम्बी।** रूद्र फाउंडेशन कौशाम्बी द्वारा संचालित मानसिंह इंटर कालेज सिकंदरपुर बजहा मूरत गंज मे 27 वा 28 दिसंबर को पोपन जिला बालिबाल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा 27 दिसंबर को कार्यक्रम का आयोजन हो चुका है इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर के प्रतिनिधि जितेंद्र सोनकर पूर्व ब्लाक प्रमुख ने किया इस प्रतियोगिता मे आस पास की कुल 10 टीम ने हिस्सा लिया जिसमे सेंट जोसेफ स्कूल एम वी इंटर कालेज पूरामुफ्ती पंडित जगत नारयन इंटर कालेज रामदयालपुर की महिला वा पुरुष वर्ग की टीमों सहित एम एस इंटर कालेज सिकंदरपुर बजहा आदि टीमों ने प्रतिभाग किया इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों की खेल क्षमता को निखारना बल्कि एक मंच प्रदान करना है इस प्रतियोगिता के विजेता और उप विजेता टीमों को आकर्षक पुरस्कार दिए जायेंगे साथ ही खेलाड़ियों को प्रमाण पत्र वा ट्रांफी प्रदान की जाएगी इस प्रतियोगिता मे जिला बालीबाल ऐसोशियन के चेयर मैन ज्ञान प्रकास द्विवेदी संरक्षक अंजनी कुमार त्रिपाठी कोषाध्यक्ष शंकर दयाल सिंह विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षकाये एव कर्मचारी गण आदि इस मौके पर मौजूद रहेंगे।

### शहजादपुर सहकारिता समिति मे कर्मचारियों की भारी लापर वही से यूरिया खाद डीएपी न मिलने से किसान परेशान

**टेढ़ीमोड़ कौशाम्बी।** सहकारी समितियां में कहीं यूरिया उर्वरक और डीएपी की उपलब्धता नहीं है तो कहीं उपलब्धता होने के बावजूद किसानों को सहकारी समिति से यूरिया उर्वरक और डीएपी नहीं मिल रही है जिससे किसान परेशान है सिराथू तहसील के शहजादपुर मे सहकारिता समिति मे खाद होने के बाद भी किसानो को खाद यूरिया व डी ऐ पी डंप होने के बाद भी एक घंटा आधा घंटा बाद खोलकर जल्द बंद कर दिया जाता है जिसमे किसानअनवर हुसैन बचाई लाल हीरालाल आदि लोगों का कहना है कि शहजादपुर सोसायटी की यूरिया डी ऐ पी खाद को समित के सचिव कर्मचारियों के सहारे ब्लैक मे बेच देते हैं समिति से यूरिया और डीएपी की कालाबाजारी किए जाने के चलते क्षेत्र के किसानों को यूरिया खाद डीएपी नहीं मिलती जिससे लगातार कई दिनों से सहकारी समितियां का किसान चक्कर काट रहे हैं जब अखण्ड भारत सन्देश पेपर की टीम मौके पर पहुंचकर किसानों से बातचीत किया तो जानकारी मिली कि सरकारी समितियां में किसानों को उर्वरक नहीं मिल रही है जिससे किसान खाद को लेकर काफी परेशान है।

# सम्पादकीय

## न्याय देकर छीनने की नाइंसाफी 'विलंबित

**'विलंबित** न्याय, न्याय से वंचित होने के समान है', काफी प्रचलित मुहावरा है। मगर न्याय देकर छीनने को क्या कहा जाए, इसके लिए भी कोई जुमला गढ़ने की जरूरत है। जिस तरह उन्नाव बलात्कार मामले के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को मिली उम्रकैद की सजा निलंबित की गई है और ऊपर से जमानत भी दे दी गई है, उसके बाद ऐसा ही लग रहा है कि न्याय के नाम पर क्या पीड़िता के साथ छलावा हुआ है। जैसे सीताजी की अग्निपरीक्षा लेने के बाद भी उनका परित्याग श्री राम ने किया था, जिसके बाद आखिरकार उन्हें धरती की शरण में ही जाना पड़ा, उसी तरह उन्नाव बलात्कार कांड की पीड़िता को नाइंसाफी से गुजरना पड़ रहा है। कायदे से तो जिस महिला पर उत्पीड़न हुआ है, उसकी न कोई परीक्षा लेनी चाहिए, न उसे किसी शर्मिंदगी का एहसास कराया जाना चाहिए। लेकिन समाज ऐसा ही है, जो बलात्कार पीड़िता को लगातार ये याद दिलाता है कि उसकी इज्जत अब छीन ली गई है, वह समाज में सिर उठाकर जीने लायक नहीं है। जबकि सिर झुकाकर सजा भोगने का काम अपराधी का होता है। दुख की बात ये है कि इस बार अपराधी न्यायालय के आदेश से सलाखों के बाहर आया है। हालांकि सबने देखा है कि उसे सलाखों के पीछे डालने में कितना वक्त और कितनी ताकत लगी।

उप्र के उन्नाव जिले में 11 से 20 जून 2017 के बीच एक नाबालिक लड़की को अगवा कर बलात्कार के गंभीर आरोप विधायक कुलदीप सिंह सेंगर पर लगे थे। लेकिन सेंगर को गिरफ्तार करने में साल भर का वक्त लग गया। क्योंकि स्थानीय पुलिस सेंगर और उसके साथियों को बचाने में लगी थी। इस बीच पीड़िता के पिता पर सेंगर के लोगों की शिकायत पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया, जिसमें हिरासत में ही उनकी मौत हुई। उत्पीड़ना का ये सिलसिला यहीं नहीं थमा, फरवरी 2018 में सेंगर को गिरफ्तार तो किया गया, लेकिन 2019 में पीड़िता अपने रिश्तेदारों और वकील के साथ जिस कार में जा रही थी, उसे एक बिना नंबर प्लेट की ट्रक ने ठोकर मारी, जिसमें पीड़िता की दो महिला रिश्तेदारों की मौत हो गई, जो इस केस में अहम गवाह भी थीं।

इसमें पीड़िता की जान बच गई। 28 जुलाई 2019 की इस सड़क दुर्घटना के बाद 29 जुलाई 2019 को सेंगर और नौ अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई। फिर 30 जुलाई को पीड़िता का भारत के मुख्य न्यायाधीश को लिखा पत्र सार्वजनिक हुआ। 31 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय ने पत्र का स्वतः संज्ञान लिया। 1 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़े पांच केस दिल्ली स्थानांतरित करने का आदेश दिया। 20 दिसंबर 2019 को ट्रायल कोर्ट ने सेंगर को आजीवन कारावास और 25 लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई गई। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि सीबीआई पीड़िता और उसके परिवार के जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए। इसमें जरूरत पड़ने पर सुरक्षित आवास और पहचान बदलने की व्यवस्था भी शामिल हो।

# पूर्वोत्तर भारत पर बांग्लादेश की धमकी- खोखली धमकियां, या कुछ और?

**आशीष विश्वास**

**प्रधानमंत्री** के तौर पर, हसीना अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खुद को अलग-थलग करने के अलावा, बांग्लादेश के अंदर आम लोगों के बीच बढ़ते अलगाव को बर्दाश्त नहीं कर सकती थीं। उन्होंने हिफाजत-ए-इस्लाम (एचआई) जैसे नए उभरते हुए संगठनों को बढ़ावा दिया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने बीएनपी को हराने के लिए एक छड़ी की तरह किया!

बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा भारत के पूर्वोत्तर इलाके के सात बहनी राज्यों को छीनने का नारा नई दिल्ली के लिए कितना गंभीर है? भारत के लिए इससे जो राजनीतिक चुनौती खड़ी होती है, उसका सही अंदाजा लगाने के लिए, इसकी पृष्ठभूमि की जानकारी का थोड़ा अध्ययनआवश्यक है।

बांग्लादेश ने शेख हसीना के प्रधानमंत्री के तौर पर 2019-24 के कार्यकाल के आखिर में पाकिस्तान के साथ पुराने रिश्ते फिर से बनाने की कोशिश की। इस बीच, इस्लामाबाद में सत्ताधारी सरकार भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अपने कमजोर गुप्तचर नेटवर्क को बढ़ा रही थी। एक तरह से, पाकिस्तान की पहले से ही पूर्वोत्तर इलाके के पास पकड़ थी। उसकी ताकतवर गुप्तचर संस्था, आईएसआई, ने नेपाल में अपनी मजबूत मौजूदगी बना ली थी। वहीं पर 1999 में इंडियन एयरलाइंस के एक हवाई जहाज को हाईजैक करने की सोची थी और उसे अंजाम दिया गया था।

बांग्लादेश ने तुर्की के साथ अपने राजनयिक रिश्ते भी बेहतर किए थे, जो कश्मीर पर भारत के साथ अपने विवाद में पाकिस्तान का लगातार समर्थक रहा है। अंकारा और ढाका के बीच रिश्ते करीबी थे, क्योंकि दौरे पर आए तुर्की के प्रतिनिधिमंडल और अधिकारियों ने बांग्लादेश में हथियार बनाने के केन्द्र बनाने का सुझाव दिया था।

इस बीच, अपने बांग्लादेश में सत्तारूढ़ अवामी लीग (एएल) अपने कथित भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघन के खराब रिकॉर्ड की वजह से अपनी जमीन खो रही थी, जिससे पश्चिम उससे अलग-थलग पड़ गया था। अवामी लीग को भारत को छोड़कर, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कम समर्थन मिला। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) वगैरह जैसी विरोधी ताकतों के आंदोलन और ज्यादा जोरदार होते जा रहे थे, जिससे उन्हें और समर्थन मिल रहा था। प्रधानमंत्री के तौर पर, हसीना अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खुद को अलग-थलग करने के अलावा, बांग्लादेश के अंदर आम लोगों के बीच बढ़ते अलगाव को बर्दाश्त नहीं कर सकती थीं। उन्होंने हिफाजत-ए-इस्लाम (एचआई) जैसे नए उभरते हुए संगठनों को बढ़ावा दिया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने बीएनपी को हराने के लिए एक छड़ी की तरह किया!

उसमें भारत में अकाली दल को दबाए रखने के लिए जे.एस. भिंडरावाले के उग्रवादी सिखों का समर्थन करने के लिए दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की झलक थी!

साफ है, सुश्री हसीना ने श्रीमती गांधी की दुखद मौत में छिपे कड़वे राजनीतिक संदेश को गलत समझा- राजनीतिक कट्टरता के साथ खिलवाड़ करने की अदूरदर्शी नीति धर्मनिरपेक्ष सत्ताधारी पार्टियों के लिए लंबे समय तक काम नहीं आई।

बांग्लादेश में पहले से ही संकेत बुरे थे- शेख हसीना और अवामी लीग के लिए, 5 अगस्त, 2025 से बहुत पहले से।

हिफाजत समर्थक तत्वों ने अवामी लीग सरकार को प्रमुख जगहों से धर्मनिरपेक्ष थीम पर बनी सार्वजनिक मूर्तियों और दीवारों पर बनी पेंटिंग हटाने के लिए मजबूर किया। उन्होंने न्यायपालिका पर दबाव

डाला। वे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्र कार्यकताओं के बीच बड़े पैमाने पर फैले हुए थे, जिससे अवामी लीग से जुड़ी छात्र लीग के लिए खतरा पैदा हो गया।

एचआईऔर जेईआईके कट्टरपंथी युवाओं ने 2021 में ही बांग्लादेश में अपने नए हासिल किए गए दबदबे का संकेत दे दिया था। उन्होंने लगातार दो दिनों तक बहुत ज्यादा हिंसक भारत विरोधी प्रदर्शन किया, जिससे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने तय प्रोग्राम कम करने पड़े। जहां तक अवामी लीग की बात है, तो जिन्न बोतल से बाहर निकल चुका था।

भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश पुलिस, उसकी रैपिड एक्शन बटालियन या बीजीबीगार्ड्स की लाचारी को सामने ला दिया था। इसके अलावा, उन्होंने भारत सरकार को भी अपने बढ़ते दबदबे के बारे में बताया। हैरानी की बात है कि ढाका में भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी को जो सार्वजनिक तौर पर बुरा-भला कहा गया, उस पर भारत सरकार की तरफ से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं आयी।

बांग्लादेशी विश्लेषकों ने बताया कि ढाका और जिलों में उभरते युवा नेताओं से मिलने वाले पाकिस्तानी एजंटों ने खुलेआम अपना काम बहुत अच्छे से किया। बांग्लादेश में भारत के पूरे दबदबे को पहली बार चुनौती दी गई थी और नई दिल्ली कुछ खास नहीं कर सकी।

पीछे मुड़कर देखें तो, ढाका और नई दिल्ली दोनों जगह के नीति बनाने वालों को बांग्लादेशी युवाओं में इस्लामी कट्टरता के तेजी से बढ़ते खतरे के सामने उनकी लापरवाही और नाकाबिलियत के लिए बुरा-भला कहा जा सकता है। उन्होंने एशिया और अफ्रीका में उभर रहे नए बड़े राजनीतिक रूझान को नज? अंदाज कर दिया, जिसमें छात्रों और युवाओं ने दूसरे देशों में पश्चिम-प्रायोजित 'कलररेवोल्यूशन' में बड़ी भूमिका निभाई, जिससे एक के बाद एक सत्तारूढ़ सरकारें गिरीं।

सत्तारूढ़ पार्टियों के लिए आधारभूत लाइन यह है कि उन्हें राजनीतिक अतिवाद के साथ कोई तालमेल नहीं करना चाहिए, जो ज्यादातर अपने प्रायोजक को ही खा जाता है। हालांकि, यह नहीं मान लेना चाहिए कि बांग्लादेश में डॉ. यूनुस और नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) जैसी पार्टियों के रूप में सामने आए नए भारत विरोधी नेताओं और संगठनों ने अपनी मौजूदा शक्ति पहले ही मजबूत कर ली है। यह बिल्कुल भी सही नहीं है। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को काटने और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों पर कब्जा करने के बारे में उनकी सभी भड़काऊ बातों के बावजूद, भारत के सामने उनकी कोई खास ताकत नहीं है, भले ही वे पाकिस्तान के साथ मिल जाएं।

यह जरूरी है कि अब तक चीन द्वारा 'सात बहनी राज्यों को आजाद करने' की बांग्लादेशी अपील पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गयी है। रूस का कहना है कि बांग्लादेश के साथ संबंध पहले की तरह ही जारी रहेंगे। यूरोपियन यूनियन और अमेरिकी ब्लॉक के देशों की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आयी है। खास बात यह है कि बांग्लादेश के अंदर भी किसी बड़े नेता या पार्टी ने भारत से पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों को अलग करने की यूनुस की मांग पर टिप्पणी करने की जहमत नहीं उठाई है। दुनिया के बाकी हिस्सों से इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप्पी को देखते हुए, यह लगता है कि भारत सरकार को यूनुस की हरकतों को ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है।

पूर्वोत्तर भारत के बड़े छात्र और युवा संगठन, जैसे एएएसयू, खासी स्टूडेंट्स यूनियन, एनईएसओऔर एजेवाईसीपी, हमेशा बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ का विरोध करते रहे हैं। वे बांग्लादेश से घुसपैठ के खिलाफ बड़े आंदोलनों में सबसे आगे रहे हैं। इसलिए, सही दस्तावेज के साथ भारत (जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र भी शामिल है!) में यात्रा करने वाले बांग्लादेशियों को छोड़कर, यह कहना गलत नहीं होगा कि संदिग्ध गैर-अप्रवासी बांग्लादेशी आम तौर पर यहां के आम लोगों में शक और अविश्वास पैदा करते हैं,जिसे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. यूनुस को ध्यान रखना चाहिए।

# शुद्धीकरण का नाम, ध्वस्तीकरण का काम!

**राजेंद्र शर्मा**

**बेशक,** मतदाता सूचियों में सुधार की जरूरत से और सुधार की गुंजाइश से कोई इंकार नहीं कर सकता है। मिसाल के तौर पर अगर मृतकों के नाम मतदाता सूचियों में हैं या एक ही मतदाता एक से ज्यादा स्थानों पर मतदाता बना हुआ है, तो इन त्रुटियों को दूर करना जरूरी है। लेकिन, सर के रूप में जिस तरह से नये सिरे से मतदाता सूचियां बनाने की कसरत शुरू की गयी है और वह भी मनमाने आधार वर्ष लेकर तथा उससे भी ज्यादा मनमानी समय-सूचियां तथा साक्ष्य व पद्धतियां थोपकर, उसने सारी प्रक्रिया को ही पूरी तरह से प्रदूषित कर दिया है।

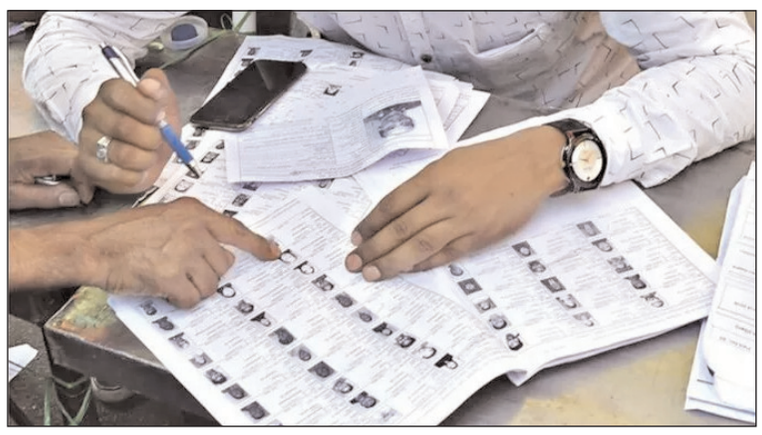

आखिरकार, मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण या सर के नाम पर, थोक में लोगों के मताधिकार की चोरी की आंच, खुद सत्ताधारी संघ-भाजपा परिवार के घर तक भी पहुंच ही गयी। पिछले ही दिनों, देश के सबसे बड़े राज्य, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने, सार्वजनिक रूप से मतदाता सूचियों के तथाकथित "शद्धीकरण" के चक्कर में, इस राज्य में हरेक चौथाई वोटर का नाम कट जाने का खतरा बताकर, सत्तापक्ष और विपक्ष, सभी को चौंका दिया। सत्ताधारी कबीले की अंदरूनी रस्साकशी के अनुमानों को हम अगर छोड़ भी दें तो भी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मतदाता सूचियों में कथित सुधार की इस कसरत में, जिस पैमाने पर वोट काटे जाने का आरोप लगा रहे थे, उस पैमाने पर वोट काटे जाने के आरोप तो विपक्ष ने भी नहीं लगाए थे, हालांकि विपक्ष शुरू से ही यानी बिहार में, चुनाव से ऐन पहले सर की यह प्रक्रिया शुरू किए जाने की मंशा से लेकर वैधता तक पर सवाल उठाता रहा था। इसमें विपक्ष द्वारा सर्वोच्च अदालत में इस प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता को चुनौती दिया जाना भी शामिल है, जिस पर विचार करने के लिए अदालत अब तक समय ही नहीं निकाल पायी है। याद रहे कि उसी सर प्रक्रिया के इस समय जारी दूसरे चरण में, जिसमें कुल बारह राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का कथित शुद्धीकरण हो रहा है, उत्तर प्रदेश में ही मुख्य विपक्षी पार्टी, समाजवादी पार्टी ने राज्य में तीन करोड़ वोट तक काटे जाने की आशंका जतायी थी। भाजपायी मुख्यमंत्री ने तो और भी बड़ा दावा कर दिया और चार करोड़ वोट कटने का खतरा बता दिया।

और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ कोई हवा में दावा नहीं कर रहे थे बल्कि तथ्यों के साथ बोल रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि 2025 की जनवरी में हुए मतदान सूचियों के समरी रिवीजन तक, राज्य में 15 करोड़ 44 लाख मतदाता थे। इसमें अगर, वर्तमान पुनरीक्षण के लिए निर्धारित मतदाताओं के नाम जोड़ने की अंतिम तिथि, 31 जनवरी 2026 तक, अठारह वर्ष पूरे कर मताधिकार के पात्र हो जाने वालों की संख्या को भी जोड़ दिया जाए तो, राज्य में मतदाताओं की संख्या 16 करोड़ बैठती है। लेकिन, 14 दिसंबर को मुख्यमंत्री के यह मुद्दा उठाए जाने तक, जोकि मतदाताओं के नामांकन फार्म भरने की मूल अंतिम तारीख थी, हालांकि बाद में इस समय सूची की अव्यावहारिकता का शोर मचने के बाद, यह अंतिम तारीख एक हफ्ता बढ़ा दी गयी थी, केवल 12 करोड़ मतदाताओं के नामांकन फार्म जमा हो पाए थे। इस तरह, पूरे 4 करोड़ मतदाताओं के नाम कट सकते थे। बेशक, आदित्यनाथ ने यह डरावनी तस्वीर पेश करने के लिए, सत्ताधारी पार्टी के कार्यकताओं से इसकी अपील करने का बहाना बनाया था कि, जिन लोगों के नाम छूट रहे हैं उनके नाम जुड़वाने में उन्हें प्राण-पण से जुटना होगा। वे अगर इसके लिए तत्परता से नहीं जुटे तो, राज्य में चौथाई वोटर कट जाएंगे। यही नहीं, उन्होंने भाजपा कार्यकताओं को यह भी याद दिलाया था कि यह सोचकर नहीं बैठ जाएं कि "दूसरों" के ही वोटर हैं, जिनका नाम कट रहा है। इशारा साफ तौर पर इस प्रक्रिया से संघ परिवार द्वारा शुरू से लगायी जा रही इसकी उम्मीद की ओर था कि, इससे घुसपैठिये यानी मुसलमान बाहर हो जाएंगे। बिहार में तो सर प्रक्रिया के दौरान इसके लिए भाजपा समेत संघ परिवार ने खूब वातावरण भी बनाया था। यह दूसरी बात थी कि आखिरकार, विदेशी के रूप में पहचाने जाने के लिए मतदाता सूची से बाहर होने वालों की संख्या इतनी नगण्य निकली कि चुनाव आयोग ने पत्रकारों और विपक्षी पार्टियों के पूछने पर भी यह बताना नहीं गंवारा किया कि बिहार में अंततः काटे गए करीब 45 लाख नामों में से, विदेशी कितने थे? बहरहाल, आदित्यनाथ ने भाजपा कार्यकताओं की इस गलतफहमी को दूर करते हुए, जोर देकर एलान किया कि जो हटाए जा रहे हैं, उनमें 84 से 90 फीसद तो "हमारे" अपने ही वोटर हैं! यानी खतरा भाजपा के अपने वोटों पर था। मुद्दा यह नहीं है कि इन कटने वाले चार करोड़ वोटों में से, प्रचंड बहुमत भाजपा के वोटों का होने के आदित्यनाथ के दावे को कितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए या नहीं? मुद्दा यह भी नहीं है कि भाजपायी मुख्यमंत्री किस हद तक अपने कार्यकताओं को सक्रिय करने की ही मंशा से सर की प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे थे।

मुद्दा यह है कि पहली बार सत्ताधारी पार्टी का एक मुख्यमंत्री, सर की प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा था। और इससे भी बढ़कर यह कि मतदाताओं के नामांकन की मूल आखिरी तारीख तक के अनुभव को सामने रखकर, देश के सबसे बड़े राज्य का मुख्यमंत्री यह कह रहा था कि जिस प्रकार से सर की प्रक्रिया चल रही थी, उसे अगर उसी प्रकार चलते रहने दिया जाता है, तो उत्तर प्रदेश में चौथाई मतदाताओं के नाम कट जाएंगे। समूची सर प्रक्रिया की वैधता पर इससे बड़ा सवालिया निशान कोई नहीं लगा सकता है।

# विचार बनकर बने रहते हैं लोग

**सर्वमित्रा सुरजन**

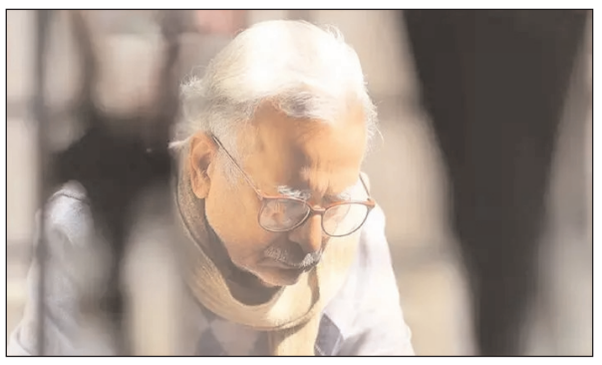

**विनोद** चाचाजी दुनिया भर में सम्मानित हुए, उनकी रचनाओं के कई भाषाओं में अनुवाद हुए, फिल्में बनीं, साहित्य उत्सवों में उन्हें आमंत्रित किया जाता रहा, इतनी लोकप्रियता, शोहरत के बावजूद वे जितने सहज बने रहे, उतनी ही सहजता और सरलता सुधा चाची में बनी रही। परंपरागत भारतीय गृहिणी की तरह अपने पति का हर कदम, हर मोड़, हर सुख-दुख में उन्होंने साथ दिया। फिल्म मशाल में दिलीप कुमार और वहीदा रहमान विनोद और सुधा के किरदारों में थे, फिल्मी पर्दे की ये जोड़ी चर्चा में आई तो ललित जी ने हंसते हुए कहा था कि हम तो विनोद और सुधा की इस जोड़ी के प्रशंसक हैं।

वह आदमी नया गरम कोट पहिनकर चला गया विचार की तरह।

रबड़ की चप्पल पहनकर मैं पिछड़ गया।

ऐसी असाधारण पंक्तियां और ऐसा ढेर सारा असाधारण गद्य, पद्य, कविताएं, कहानियां, उपन्यास और बाल साहित्य लिखने वाले विनोद भाई अब नहीं रहे। ललित सुरजन (मेरे पिता) उन्हें हमेशा विनोद भाई कहकर ही पुकारते थे। घर में हमेशा उनके लिए यही संबोधन सुना।

हालांकि हम जब उनसे मुखातिब होते तो उन्हें चाचाजी कहकर ही संबोधित करते और उनके बच्चे भी ललित जी को चाचाजी कहकर ही पुकारते। उनके न रहने पर बचपन की बहुत सी धुंधली स्मृतियां लौट रही हैं।

विनोद चाचाजी मोटरसाइकिल पर आया करते थे, शायद राजदूत मोटरसाइकिल होती थी उनके पास। आधी बांहों का शर्ट, पतलून और पैरों में वही रबड़ की चप्पल, जिसका जिक्र ऊपर की पंक्ति में है। रबड़ की चप्पल पहनकर पिछड़ने की बात असल में उस साधारण आदमी का दर्द है, जो गांधी के दर्शन में आखिरी पंक्ति का आखिरी व्यक्ति है। कई बार उसे ये चप्पल भी नसीब नहीं होती। ऐसे ही किसी दुखी हताश व्यक्ति के लिए उन्होंने लिखा कि

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैंने हाथ बढ़ाया
मेरा हाथ पकड़कर वह खड़ा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढ़ाने को जानता था

संवेदनशीलता के साथ साधारण व्यक्तियों के मर्म को छूते हुए विनोद चाचाजी अपने हाथ बढ़ाते रहे, कलम चलाते रहे। उनके न रहने पर सोशल मीडिया पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलियां दी जा रही हैं, उनकी पंक्तियों को उद्धृत किया जा रहा है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष समेत कई दिग्गजों ने हिन्दी साहित्य में उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी है। यह सब देखकर आश्वस्ति होती है कि हिन्दी साहित्य और साहित्यकारों, लेखकों की कद्र समाज में अब भी बाकी है। अच्छे साहित्य को पढ़ना, उस पर मनन करना भले कम हो गया हो, या केवल ड्राइंग रूम में सजाने के लिए किताबें खरीदी जाती हों, लेकिन एक कालजयी रचनाकार की दुनिया से विदाई पर अगर उसकी रचनाओं के साथ उसे याद किया जा रहा है, तो यह सही मायनों में कलम की जीत है।

हालांकि कई बार सरकारें, राजनेता अपनी छवि निखारने के लिए लेखकों का इस्तेमाल करते हैं। विनोद चाचाजी के साथ शायद छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद ऐसा ही करने की कोशिश की गई थी।

# गहमर हत्याकांड में वांछित आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल, तमंचा व कारतूस बरामद

**अखंड भारत संदेश**

**गाजीपुर। जनपद** के थाना गहमर पुलिस द्वारा हत्या में वांछित अभियुक्त पुलिस मुठभेड़ में घायल/गिरफ्तार जिसके कब्जे से एक अदद देशी तमन्चा .315 बोर , एक अदद खोखा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। शनिवार को अपराध एवम् अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक थाना गहमर व चौकी प्रभारी सेवराई रात्रि गश्त में क्षेत्र में मामूर थे कि जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई की गहमर हत्या में वांछित अभियुक्त थाना क्षेत्र में मौजूद है और कही भागने के

फिराक में है। अगर जल्दी किया जाये तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मय हमराहियान जब मठिया घाट के पास पहुंचे तो सामने से एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया व पुलिस टीम को देखकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से निशाना लगाकर फायर करने लगा, पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ में संतुलित फायरिंग की गयी तो उसके बाएं पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया । जिसे तत्काल मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए जिला सीएचसी भदौरा गाजीपुर उपचार हेतु भेजा गया।

# जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भटक रहे नागरिक, तहसील में अव्यवस्था से बढ़ी परेशानी

**अखंड भारत संदेश**

**गाजीपुर। जनपद** के मुहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र में जन्मझमृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आम नागरिकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। महीनों बीत जाने के बावजूद नवजात शिशुओं के जन्म प्रमाण पत्र तथा परिजनों के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पा रहे हैं, जिससे लोगों में गहरा रोष व्याप्त है।नागरिकों का आरोप है कि नगर पालिका परिषद द्वारा जब तहसील में फाइल भेजी जा रही है तो जन्मझमृत्यु प्रमाण पत्र बनाने की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रभारी विजय श्रीवास्तव की मनमानी और लापरवाही के कारण यह समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। सैकड़ों आवेदन लंबित पड़े हैं, लेकिन उन्हें न तो समय पर निस्तारित किया जा रहा है और न ही आवेदकों को सही जानकारी दी जा रही है।सबसे अधिक परेशानी तब होती है जब लोग अपने आवेदन की स्थिति जानने तहसील पहुंचते हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित प्रभारी अक्सर कार्यालय में उपलब्ध नहीं रहते, और यदि कभी मिल भी जाएं तो संतोषजनक जवाब नहीं देते। इससे नवजात शिशुओं के माता-पिता को सरकारी योजनाओं, स्कूल प्रवेश व अन्य आवश्यक कार्यों में दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं, वहीं मृत्यु प्रमाण पत्र के अभाव में परिजनों को पेंशन, बीमा, बैंक व अन्य जरूरी कार्यों में भारी परेशानी हो रही है।

# विद्युत बकाया बिल राहत योजना के अंतर्गत विशेष कैंप, चोरी रोकने को चला जांच अभियान

**अखंड भारत संदेश**

**गाजीपुर।** जनपद के मुहम्मदाबाद नगर पालिका परिषद क्षेत्र में विद्युत उपभोक्ताओं को बकाया बिल से राहत दिलाने के उद्देश्य से विद्युत बकाया बिल राहत योजना के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर वार्ड संख्याझ7, वार्ड संख्याझ18 एवं नोनियापुरा क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए लगाया गया, जहां बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर अपनी विद्युत संबंधी समस्याओं का निस्तारण कराया। शिविर में उपभोक्ताओं को बकाया विद्युत बिल जमा करने, किस्तों में भुगतान की सुविधा, बकाया राशि में छूट तथा विभागीय

योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से समय पर बिल भुगतान करने की अपील करते हुए कहा कि इससे न केवल विभागीय कार्य सुचारु रूप से चलता है, बल्कि अनावश्यक विवादों से भी बचा जा सकता है।कैंप के साथ-साथ विद्युत चोरी की रोकथाम को लेकर संबंधित वार्डों में निरीक्षण अभियान भी चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध कनेक्शनों की गहन जांच की गई और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित उपभोक्ताओं को कड़ी चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विद्युत चोरी कानूनन अपराध है, जिससे विभाग को आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ आम उपभोक्ताओं को भी परेशानी झेलनी पड़ती है।

इस मौके पर फीडर मैनेजर अवनीश कुमार अवस्थी, सुनील कुशवाहा, लाइनमैन सरफराज खान एवं संजीव कुमार, मीटर रीडर शिवमूरत यादव सहित विभागीय अधिकारी अफसर कुमार और दिलीप कुमार उपस्थित रहे।

# डीएम ने सुनी हस्तशिल्पियों की समस्याएं

अखंड भारत संदेश

**चित्रकूट।** एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में उत्पादों का निर्माण करने वाले हस्तशिल्पियों के साथ कलेक्टरेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने हस्तशिल्पियों का परिचय प्राप्त कर उनके कार्यों एवं समस्याओं की जानकरी ली। हस्तशिल्पियों ने बताया कि वर्तमान में उनके उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न समारोहों एवं शासकीय कार्यक्रमों में एक जनपद एक उत्पाद के अंतर्गत निर्मित वस्तुओं को ही उपहार स्वरूप प्रदान किया जा रहा है, जिससे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। हस्तशिल्पियों ने खिलौना निर्माण के लिए लकड़ी की उपलब्धता में आ रही समस्या से अवगत कराया। इस पर डीएम ने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी को पत्र प्रेषित कर समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। कहा कि ओडीओपी योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। निर्देश दिए कि साडा से समन्वय स्थापित करते हुए रामघाट में निमार्णाधीन सरकारी दुकानों में ओडीओपी उत्पादों के लिए स्थान आवंटित कराएं। साथ ही ओडीओपी उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए साडा के माध्यम से जनपद के सभी होटलों में एक जनपद एक उत्पाद से संबंधित एक विशेष विंडो अनिवार्य रूप से स्थापित कराने के निर्देश दिए तथा मानिकपुर रेलवे स्टेशन पर भी ओडीओपी से संबंधित एक दुकान स्थापित करने के निर्देश दिए गए। हस्तशिल्पियों द्वारा बैंकों में ऋण स्वीकृति में आ रही समस्याओं की जानकारी दी। जिस पर डीएम ने संबंधित मामलों के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। हस्तशिल्पियों को निर्देशित किया कि ओडीओपी के अंतर्गत निर्मित खिलौनों एवं अन्य उत्पादों में आकर्षक डिजाइनिंग एवं उच्च गुणवत्ता की पैकेजिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। कहा कि बच्चों को आकर्षित करने वाले खिलौनों के साथ-साथ गृह सजावट (डेकोरेशन) से संबंधित वस्तुओं का भी निर्माण किया जाए। डीएम ने सभी हस्तशिल्पियों को जैम पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराने को कहा ताकि ऑनलाइन माध्यम से उत्पादों की बिक्री एवं मांग में और अधिक वृद्धि हो सके। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी देवी प्रसाद पाल, उपायुक्त उद्योग एस.के केशरवानी सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## सड़क हादसे में दो लाइनमैन की मौत, रधुवंशीपुर मोड़ के पास हादसा

**चित्रकूट।** पहाड़ी थाना क्षेत्र में रधुवंशीपुर मोड़ के पास शनिवार को एक सड़क हादसे में बिजली विभाग के दो लाइनमैनों की मौत हो गई। घटना के बाद राहगीरों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। दुर्घटना में घायल दोनों लाइनमैनों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद लाइनमैन राजू मौर्य को मृत घोषित कर दिया। पहाड़ी थाना प्रभारी प्रवीण सिंह ने बताया कि दोनों घायलों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

दूसरे लाइनमैन श्यामदेव की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तत्काल जिला चिकित्सालय कर्वी रेफर कर दिया। कर्वी जिला अस्पताल में इलाज के दौरान श्यामदेव की भी मौत हो गई। इस प्रकार, एक ही हादसे में बिजली विभाग के दो कर्मचारियों की जान चली गई। यह हादसा रधुवंशीपुर मोड़ के पास हुआ, जहां अक्सर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मोड़ पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। घटना की सूचना पर पहाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्रशासन की ओर से हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

## वीर बाल दिवस पर बी.बी.एस.बी.एम. इण्टर कॉलेज में किया गया बाल मेले का आयोजन

अखंड भारत संदेश

**चित्रकूट।** वीर बाल दिवस के अवसर पर बेड़ीपुलिया स्थित बैजनाथ भारद्वाज सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलिज में गुरु गोविन्द सिंह के वीर सपूतों साहिबजादे फतेह सिंह एवं जोरावर सिंह के बलिदान दिवस की स्मृति में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के अध्यक्ष कमलाकांत उपाध्याय, प्रबन्धक श्यामसुंदर मिश्रा एवं कोषाध्यक्ष जगदीश अग्रहरि द्वारा संयुक्त रूप से मां वागेश्वरी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। साथ ही वीर बालकों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। साथ ही विज्ञान-गणित प्रदर्शनी एवं बाल मेले का भी आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि वीर बाल दिवस का उद्देश्य बच्चों में साहस, आत्मविश्वास, अनुशासन और देश के प्रति समर्पण की भावना विकसित करना है। उन्होंने ऐतिहासिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए बताया कि कम आयु में भी असाधारण साहस और बलिदान से इतिहास रचने वाले बालक आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मेला व्यवस्था प्रमुख रवि ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

इस मौके पर सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री राम मनोहर, प्रान्त संगठन मंत्री रजनीश, जिला प्रचारक लोकेन्द्र, नगर कार्यवाह विजय किशोर, नगर प्रचारक रमाकान्त, विभाग सह सम्पर्क प्रमुख डॉ जगन्नाथ, सर्व व्यवस्था प्रमुख शिवनायक, प्रशान्त कुमार द्विवेदी, प्रमोद पाण्डेय, प्रदीप, हर्ष, सुशील, शिवप्रकाश पाण्डेय, सुधाकर, रावेन्द्र, वासुदेव, धीरेन्द्र, ज्योति, आराधना, रागनी, मीडिया प्रभारी विश्वास पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

# अधिशासी अभियंता ने किया ग्राम समूह पेयजल योजना का निरीक्षण, दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

**चित्रकूट।** चांदी बांगर ग्राम समूह पेयजल योजना के तहत शनिवार को अधिशासी अभियंता आशीष कुमार भारती ने सकरौली, खैरी, ओरा और पिलखनी गांवों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गांवों में रोड रेस्टोरेशन, ओवरहेड टैंक निर्माण और नियमित जलापूर्ति की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जूनियर इंजीनियर जय नारायण तिवारी ने बताया कि चारों गांवों में कुल 5080 मीटर के सापेक्ष 3707 मीटर रोड रेस्टोरेशन का कार्य फर्म एलएनटी द्वारा पूरा कर लिया गया है। शेष कार्यों को पूरा करने के लिए टीम न लगाने पर अधिशासी अभियंता ने फर्म एलएंडटी के कंस्ट्रक्शन मैनेजर विपिन पांडेय को कड़ी फटकार लगाई और 15 दिनों के भीतर रोड रेस्टोरेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिए। कार्य पूरा न होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। इसी प्रकार जल संयोजनों की जांच में पाया कि गृह जल संयोजनों में सीसी ग्राउटिंग का कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है, जिससे कनेक्शन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। कई गृह जल संयोजनों में जी-स्टैंड और टोटी न लगाए जाने पर एलएंडटी के कंस्ट्रक्शन मैनेजर विपिन पांडेय को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि 15 दिनों में हाउस कनेक्शन के कार्य पूरे करके रिपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा विभागीय कार्रवाई के लिए पत्र प्रेषित किया जाएगा। अधिशासी अभियंता ने नियमित जलापूर्ति की जांच के दौरान पाया कि चारों गांवों में पाइपलाइन टेस्टिंग और कमीशनिंग का कार्य अभी भी अधूरा है, जिसके कारण गांवों में नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हो पाई है। इस लापरवाही के लिए जूनियर इंजीनियर जय नारायण तिवारी, एलएंडटी के कंस्ट्रक्शन मैनेजर विपिन पांडेय और राजीव रंजन को कड़ी फटकार लगाई। निर्देश दिया पाइपलाइन टेस्टिंग और कमीशनिंग का कार्य तत्काल पूरा करते हुए ओवरहेड टैंक के माध्यम से चारों गांवों में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करें।

## स्व. रघुवीर प्रसाद कन्या इण्टर कॉलेज में गरीब परिवारों की महिलाओं को वितरित किए गए कंबल

अखंड भारत संदेश

**चित्रकूट।** पहाड़ी स्थित स्व. रघुवीर प्रसाद कन्या इण्टर कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित कर ठंड से बचाव के दृष्टिगत बेसहारा, निराश्रित, गरीब एवं जरूरतमंदों को कम्बल वितरण किया गया।

कार्यक्रम में सांसद कृष्णा देवी पटेल एवं पूर्व मंत्री शिवशंकर सिंह पटेल ने जरूरत मंदों को कंबल वितरण किया। साथ ही विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता का नाम रोशन करने की सलाद दी। सांसद ने कहा कि वह विद्यालय में नये कमरे का निर्माण कराने का वह प्रयास करेंगी। कॉलेज के प्रबंधक प्रेम नारायण गुप्ता ने सांसद व पूर्वमंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर कॉलेज के अध्यक्ष रमेश कश्यप, प्रधानाचार्या वंदना कुमारी ने सांसद, पूर्व मंत्री, सुरक्षा कर्मियों, मातृशक्तियों व समाजसेवियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। प्रबंधक ने बताया कि विद्यालय में 38 गांवों की लगभग 800 छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि मनफूल पटेल, एबीवीपी के प्रदेश सचिव शिवम चतुवेर्दी, ब्रह्मण एकता परिषद के संयोजक विपुल मिश्रा, नामदेव समाज के अध्यक्ष अशोक नामदेव, थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक राजेश यादव, सत्यनारायण सिंह, विद्यालय के प्रवक्ता राजकरन गुप्ता, रावेंद्र प्रताप सिंह, रजनी देवी, राजेश कुमार, अनुराधा गुप्ता, कु साधना यादव, कु. सोनम द्विवेदी, कोमल पाण्डेय, कु. आरती गुप्ता, नीलम, दीक्षिका श्रीवास्तव, पीएन नामदेव, अजय जोसेफ आदि मौजूद रहे।

# नोडल अधिकारी ने जाना कृषि योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति का हाल

अखंड भारत संदेश

**चित्रकूट।** जिला मुख्यालय स्थित में कृषि भवन सभागार में शनिवार को चित्रकूट के नोडल अधिकारी एवं अपर कृषि निदेशक अनिल कुमार पाठक ने बैठक कर सभी कृषि योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। साथ ही विभाग से सम्बन्धित केन्द्रों व योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में नोडल अधिकारी ने कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं व कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए कहा कि सभी प्रभारी राजकीय कृषि बीज भंडार में रबी में वितरित प्रमाणित बीजों का समायोजन दो दिन के अंदर करना सुनिश्चित करें, इसमें लापरवाही बरतने वाले कार्मिक के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उर्वरक वितरण की प्रगति में कहा कि किसानों को संस्तुत मात्रा में उर्वरक प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें। उर्वरक निरीक्षकों को क्षेत्र में टैगिंग, ओवर रेटिंग या कालाबाजारी करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कहा कि कृषकों को विभाग की योजनाओं की जानकारी दें ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें। बताया कि वर्तमान में जायद सीजन के लिए उडद तथा मूंग के निःशुल्क मिनीकिट की बुकिंग कृषि विभाग के पोर्टल से की जा रही है। किसान पोर्टल पर जाकर बुकिंग कर लें ताकि उनको बीज भंडार से बीज मिल सके। जिला कृषि अधिकारी चित्रकूट राज पति शुक्ल ने बताया कि वर्तमान में रबी फसलों के बीज वितरण के उपरांत कृषक अंश का मूल्य वर्चुअल खाते में जमा किया जा चुका है तथा कोई भी धनराशि अवशेष नहीं है। समायोजन की प्रक्रिया अभी की जा रही है जो दो दिन में पूरी कर ली जाएगी। उप कृषि निदेशक राज कुमार ने प्राकृतिक खेती, कृषि यंत्रीकरण, दलहन आत्म निर्भर योजना आदि का विवरण प्रस्तुत किया। जिस पर अपर निदेशक ने कहा कि सभी योजनाओं की वित्तीय प्रगति आगामी सप्ताह तक बढ़ाएं। कहा कि कृषि विभाग से सम्बन्धित सभी केन्द्रों में विभागीय अधिकारी समय से उपस्थित रहते हुए कृषकों की समस्याओं का निस्तारण करें।

बैठक के बाद नोडल अधिकारी ने कृषि भवन परिसर स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार कर्वी का निरीक्षण कर वितरित बीजों के अभिलेखों व समायोजन प्रक्रिया अवलोकन भी किया। साथ ही विकास खण्ड मानिकपुर में किसान अरुण कुमार द्वारा बोई गई अनुदानित सरसों प्रजाति गिरिराज के प्रदर्शन का अवलोकन किया। कहा कि सरसों की प्रजाति गिरिराज तथा पी एम 32 में तेल की मात्रा व गुणवत्ता बहुत अच्छी है, अन्य प्रजातियों की अपेक्षा ऑयल रिकवरी ज्यादा है। किसान इस प्रदर्शन से प्रेरित होकर अपनाएं और लाभ कमाएं। परियोजना ग्राम लक्ष्मणपुर व मानिकपुर में भूमि संरक्षण कार्यों का निरीक्षण भी किया। जिसमें निर्मित मेड़ों व बांध का अवलोकन किया। यहां कार्यों की गुणवत्ता सही न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए भूमि संरक्षण अधिकारी कर्वी प्रथम देवेंद्र सिंह निरंजन को गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए अवशेष कार्यों को जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

# पेंटागन की चेतावनी, लद्दाख के बाद अब अरुणाचल प्रदेश बनेगा भारत-चीन विवाद का नया केंद्र



**चीन**

**पूर्वी** लद्दाख में छअउ पर सेनाओं की वापसी के बाद भले ही सीमा पर शांति की उम्मीद जगी हो, लेकिन अमेरिकी रक्षा विभाग की एक ताजा रिपोर्ट ने भविष्य के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने अरुणाचल प्रदेश को ताइवान की तरह ही अपने 'मुख्य हितों' में शामिल कर लिया है।

2049 का लक्ष्य

अमेरिकी कांग्रेस को सौंपी गई इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीन 2049 तक 'महान पुनरुत्थान' के अपने लक्ष्य को हासिल करना चाहता है। इसके तहत, चीन अरुणाचल प्रदेश, ताइवान और दक्षिण चीन सागर पर अपना पूर्ण दावा ठोक रहा है।

बीजिंग का लक्ष्य 2049 तक एक ऐसी 'विश्व स्तरीय सेना' तैयार करना है जो वैश्विक स्तर पर किसी भी युद्ध को 'लड़ने और जीतने' में सक्षम हो।

मैकमोहन रेखा पर विवाद

चीन अरुणाचल प्रदेश को 'दक्षिण तिब्बत' कहता है। वह 1914 में अंग्रेजों द्वारा खींची गई मैकमोहन रेखा को स्वीकार नहीं करता। चीन की नजर विशेष रूप से तवांग पर है। पहले उसका दावा सिर्फ तवांग तक सीमित था, लेकिन अब उसने पूरे अरुणाचल प्रदेश को विवादित क्षेत्र घोषित कर दिया है।

भारत पर दबाव बनाने के लिए चीन समय-समय पर अरुणाचल के विभिन्न स्थानों के लिए 'चीनी नामों' की फर्जी लिस्ट जारी करता रहता है।

हालिया विवाद

हाल की कुछ घटनाओं ने इस तनाव को और हवा दी है। पिछले महीने, लंदन से जापान जा रही अरुणाचल की रहने वाली प्रेमा थोंगडोक को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे हिरासत में रखा गया।

चीनी अधिकारियों का दावा था कि उनके पासपोर्ट पर जन्मस्थान 'अरुणाचल' होना उसे 'अमान्य' बनाता है।

हाल ही में एक यूट्यूबर को चीन में सिर्फ इसलिए हिरासत में लिया गया क्योंकि उसने अपने वीडियो में अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताया था।

अमेरिका का रुख

पूर्व राजनयिक महेश सचदेव के अनुसार, यह पहली बार है जब अमेरिका ने लद्दाख के बजाय अरुणाचल प्रदेश पर चीन की चालों पर खुलकर बात की है। यह दशार्ता है कि अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चीन की विस्तारवादी नीति को गंभीरता से लिया जा रहा है।

भारत का रुख स्पष्ट

भारत सरकार ने बार-बार दोहराया है कि अरुणाचल प्रदेश था, है और हमेशा देश का अटूट हिस्सा रहेगा।

# जेफरी एपस्टीन के पत्र में ट्रंप का नाम आने पर विवाद, अमेरिकी न्याय विभाग ने पत्र को बताया 'फर्जी'



**अमेरिका**

**जेफरी** एपस्टीन की फाइलों से सामने आए एक नए पत्र ने अमेरिकी राजनीति में हलचल मचा दी है। इस पत्र में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का परोक्ष रूप से जिक्र किया गया है, जिसे अब अमेरिकी न्याय विभाग ने पूरी तरह से फर्जी करार दिया है।

क्या है पूरा विवाद?

सामने आए एक हस्तलिखित पत्र में दावा किया गया था कि एपस्टीन ने साल 2019 में यौन अपराधी लैरी नासर को एक संदेश लिखा था। इस पत्र में एपस्टीन ने 'युवा लड़कियों के प्रति प्यार' की बात की थी और लिखा था कि हमारे राष्ट्रपति भी युवा, आकर्षक लड़कियों के प्रति हमारे प्यार को साझा करते हैं। चूंकि यह पत्र अगस्त 2019 का बताया जा रहा है जब डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति थे, इसलिए विपक्ष और सोशल मीडिया पर इसे लेकर ट्रंप की आलोचना शुरू हो गई।

न्याय विभाग की सफाई

विवाद बढ़ता देख अमेरिकी न्याय विभाग और एफबीआई ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि यह पत्र पूरी तरह नकली है। विभाग ने इसके पीछे कई कारण बताते हुए एक्स पर लिखा, 'पत्र पर पोस्ट ऑफिस की मुहर एपस्टीन की मौत के तीन दिन बाद की है। पत्र वर्जीनिया से मेल किया गया था, जबकि एपस्टीन उस समय न्यूयॉर्क की जेल में बंद था। पत्र पर वापसी का पता और कैदी नंबर जैसी जरूरी जानकारी गायब है।'

न्याय विभाग ने आगे लिखा, 'सिर्फ इसलिए कि कोई दस्तावेज विभाग द्वारा जारी फाइलों में शामिल है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके अंदर किए गए दावे सच हैं।' डोनाल्ड ट्रंप ने इन फाइलों के सार्वजनिक होने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वे इन दस्तावेजों को जारी करने के पक्ष में नहीं थे, क्योंकि इससे उन निर्दोष लोगों की साख खराब होने का डर है जो सालों पहले सामान्य तौर पर एपस्टीन से मिले थे।

कौन था जेफरी एपस्टीन?

जेफरी एपस्टीन एक अमेरिकी अरबपति था जिस पर नाबालिग लड़कियों की सेक्स ट्रैफिकिंग का गंभीर आरोप था।

अगस्त 2019 में जेल के अंदर उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

# बांग्लादेश में बड़ा राजनीतिक भूचाल! शेख हसीना की अवामी लीग पर लगा प्रतिबंध



**बांग्लादेश**

**देश** में व्याप्त राजनीतिक उथल-पुथल और राजनीतिक परिदृश्य में आए बड़े बदलाव के बीच, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पुष्टि की है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग, अपनी गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध के कारण फरवरी 2026 में होने वाले राष्ट्रीय संसदीय चुनावों में भाग नहीं लेगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने घोषणा की कि अवामी लीग, जिसकी राजनीतिक गतिविधियां वर्तमान में देश में प्रतिबंधित हैं, आगामी राष्ट्रीय चुनावों में भाग नहीं ले पाएगी।

बुधवार को अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद की बैठक के बाद आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, आलम ने एक पत्रकार के उस प्रश्न के उत्तर में यह टिप्पणी की, जिसमें कथित तौर पर अमेरिकी सांसदों द्वारा मुख्य सलाहकार को अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध पर चिंता व्यक्त करते हुए भेजे गए पत्र का जिक्र था। उन्होंने कहा कि उन्होंने पत्र नहीं देखा है और उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अवामी लीग के संबंध में सरकार का रुख स्पष्ट है।

सचिव ने कहा, "चूंकि अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और चुनाव आयोग ने पार्टी का पंजीकरण रद्द कर दिया है, इसलिए अवामी लीग इस चुनाव में भाग नहीं ले पाएगी।" पार्टी का पंजीकरण निलंबित कर दिया गया है और इसके नेताओं पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमा चल रहा है। इससे पहले मई में, अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश अवामी लीग और इसके संबद्ध, सहयोगी और भाईचारे वाले संगठनों की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने वाली राजपत्र अधिसूचना जारी की थी।

यह निर्णय अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मुकदमों के पूरा होने तक लागू रहने की बात कही गई थी। उस समय, राजपत्र गृह मंत्रालय के लोक सुरक्षा विभाग द्वारा जारी किया गया था।

अधिसूचना में कहा गया था कि यह कार्रवाई आतंकवाद विरोधी (संशोधन) अध्यादेश के तहत की गई है। पिछले साल जुलाई में छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार को सत्ता से हटाए जाने के लगभग एक साल बाद बांग्लादेश में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा है कि उनकी पार्टी के बिना चुनाव, चुनाव नहीं बल्कि राज्याभिषेक होगा, क्योंकि अवामी लीग को आगामी चुनावों में चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है।

# अब लॉटरी नहीं, 'स्किल' और 'सैलरी' तय करेगी किस्मत

**अमेरिका**

**अमेरिका** में काम करने की चाह रखने वाले विदेशी पेशेवरों के लिए एक बड़ा बदलाव सामने आया है। अब तक किस्मत के भरोसे चलने वाली ऌ-1इ वीजा लॉटरी व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है और उसकी जगह योग्यता व वेतन आधारित चयन प्रक्रिया लागू की जा रही है। इस फैसले का सीधा असर भारतीय प्रोफेशनल्स पर भी पड़ेगा, जो अमेरिका में ऌ-1इ वीजा धारकों का सबसे बड़ा वर्ग माने जाते हैं। बता दें कि मंगलवार, 23 दिसंबर 2025 को अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि ऌ-1इ वर्क वीजा से जुड़े नियमों में संशोधन किया जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार अब वीजा आवंटन में उन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो ज्यादा स्किल्ड हैं और जिन्हें ज्यादा सैलरी ऑफर की जा रही है। सरकार का तर्क है कि इससे अमेरिकी कर्मचारियों की मजदूरी, काम की परिस्थितियों और रोजगार के अवसरों की बेहतर सुरक्षा हो सकेगी। गौरतलब है कि यह नया नियम 27 फरवरी 2026 से लागू होगा और वित्त वर्ष 2027 की ऌ-1इ कैप रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में इस्तेमाल किया जाएगा। इसके तहत अब रैंडम लॉटरी की जगह एक ह्यवेटेड सिलेक्शन सिस्टमह्न होगा, जिसमें उच्च वेतन और उच्च कौशल वाले आवेदकों के चुने जाने की संभावना ज्यादा होगी। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज के प्रवक्ता मैथ्यू ट्रैगेसर ने कहा है कि पुरानी लॉटरी प्रणाली का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया जा रहा था।

# यूक्रेन के औद्योगिक केंद्र में विसैन्यीकृत क्षेत्र बनाने के लिए तैयार

**यूक्रेन**

**यूक्रेन** के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह रूस के साथ युद्ध समाप्त करने की योजना के तहत देश के पूर्वी औद्योगिक केंद्र से सैनिकों को वापस बुलाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते मॉस्को भी क्षेत्र से पीछे हटे और यह इलाका एक विसैन्यीकृत क्षेत्र बन जाए, जिसकी निगरानी अंतरराष्ट्रीय बलों के हाथों में हो।

जेलेंस्की के इस प्रस्ताव को डोनबास क्षेत्र के नियंत्रण को लेकर एक और संभावित समझौते के रूप में देखा जा रहा है, जो शांति वार्ता में प्रमुख अड़चन रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अमेरिका ने एक मुक्त आर्थिक क्षेत्र बनाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे विसैन्यीकृत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जापोरिज़िया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आसपास के क्षेत्र के लिए भी इसी तरह की व्यवस्था संभव हो सकती है, जो वर्तमान में रूस के नियंत्रण में है।

# प्रेस की आजादी पर हमला, 'ग्लोबल टीवी' को दफ्तर जलाने की धमकी



**बांग्लादेश**

**बांग्लादेश** में शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद भी पत्रकारों और मीडिया संस्थानों पर हमलों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा मामले में, ढाका स्थित 'ग्लोबल टीवी' के दफ्तर में कुछ युवकों ने घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी की धमकी दी है। हमलावरों ने न्यूज हेड नाजनीन मुन्नी को तुरंत नौकरी से हटाने की मांग की है।

क्या है पूरा मामला?

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते की शुरूआत में 7-8 युवक 'ग्लोबल टीवी' के तेजगांव स्थित दफ्तर पहुंचे। उन्होंने खुद को 'भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन' का सदस्य बताया। इन युवकों ने न्यूज हेड नाजनीन मुन्नी पर 'अवामी लीग' (शेख हसीना की पार्टी) का समर्थक होने का आरोप लगाया और मैनेजमेंट को उन्हें हटाने की चेतावनी दी।

प्रोथोम आलो जैसा हाल कर देंगे

नाजनीन मुन्नी ने सोशल मीडिया पर इस घटना का खुलासा करते हुए बताया कि हमलावरों ने सीधे तौर पर कहा, 'अगर मुन्नी को नहीं हटाया गया, तो हम दफ्तर में आग लगा देंगे। याद रहे, प्रोथोम आलो और द डेली स्टार (बांग्लादेश के बड़े अखबार) भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाए।' बता दें कि 21 दिसंबर को भीड़ ने बांग्लादेश के प्रमुख अखबारों 'प्रोथोम आलो' और 'द डेली स्टार' के दफ्तरों में भीषण तोड़फोड़ और आगजनी की थी।

विवाद की वजह

यह तनाव भारत विरोधी युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद और बढ़ गया है। हमलावरों का आरोप है कि ग्लोबल टीवी ने हादी की मौत को पर्याप्त कवरेज नहीं दी। उस्मान हादी अपनी भारत विरोधी बयानबाजी के लिए मशहूर थे ।

# 17 साल के निर्वासन के बाद बांग्लादेश लौटे तारिक रहमान

## ढाका में विशाल जनसभा को किया संबोधित



**बांग्लादेश**

**बांग्लादेश** नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने लगभग दो दशकों के निर्वासन के बाद वतन वापसी की है। बुधवार को ढाका में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने देश के भविष्य के लिए अपना विजन पेश किया।

मार्टिन लूथर किंग की शैली में संबोधन

हजारों समर्थकों की भीड़ के सामने तारिक रहमान ने अमेरिकी नागरिक अधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर के प्रसिद्ध भाषण का जिक्र करते हुए कहा, 'मेरे पास एक योजना है।' उन्होंने कहा कि यह योजना तभी सफल होगी जब देश की जनता का सामूहिक समर्थन मिलेगा।

उन्होंने अपने भाषण में कहा कि लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वापस चाहते हैं। लोग अपने लोकतांत्रिक अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वापस चाहते हैं। उन्होंने जोर दिया कि बांग्लादेश मुस्लिम, हिंदू, बौद्ध और ईसाई, सभी धर्मों के लोगों का साझा घर है।

भारत विरोधी नेता को श्रद्धांजलि

रहमान ने हाल ही में मारे गए कार्यकर्ता उस्मान हादी को श्रद्धांजलि दी। हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश में तनाव का माहौल है। प्रदर्शनकारी इस हत्या के पीछे 'भारतीय हाथ' होने का दावा कर रहे हैं, जिससे भारत-बांग्लादेश संबंधों में खटास और बढ़ गई है।

अल्पसंख्यकों पर हमले

तारिक रहमान की वापसी ऐसे समय में हुई है जब देश में सांप्रदायिक हिंसा की खबरें आ रही हैं।

कथित ईशनिंदा के आरोप में दीपु चंद्र दास नामक हिंदू नागरिक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के बीच भारत ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने की मांग की है।

मुहम्मद यूनुस से मुलाकात

वतन लौटने के बाद तारिक रहमान ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की और देश की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। रहमान के सामने अब फरवरी 2026 में होने वाले चुनावों से पहले जनता का भरोसा जीतने और देश में शांति बहाल करने की बड़ी चुनौती है।

**अखंड भारत संदेश**
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

# बलूचिस्तान में महिलाओं की गुमशुदगी पर गहराया संकट, CPEC पर विरोध जारी




**बलूचिस्तान**

**बलूचिस्तान** पोस्ट (टीबीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, दो महिलाओं सहित चार पारिवारिक सदस्यों के कथित जबरन लापता होने के विरोध में चल रहा धरना प्रदर्शन बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा, जिसके चलते चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) राजमार्ग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा लगातार दूसरे दिन भी बंद रहा। केच जिले के कार्की तेजबान और हेरोंक में हुए इस प्रदर्शन के कारण तुरबत, क्वेटा, पंजगुर, अवारान, कोलवाह और होशाप के बीच दोनों दिशाओं में यातायात ठप हो गया, जिससे पूरे मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। परिवार के सदस्यों ने बताया कि लापता व्यक्तियों में 27 वर्षीय हनी दिलवाश, जो आठ महीने की गर्भवती हैं; अब्दुल वाहिद की 17 वर्षीय बेटी हैरनिसा; 18 वर्षीय मुजाहिद दिलवाश; और 18 वर्षीय फरीद एजाज शामिल हैं।

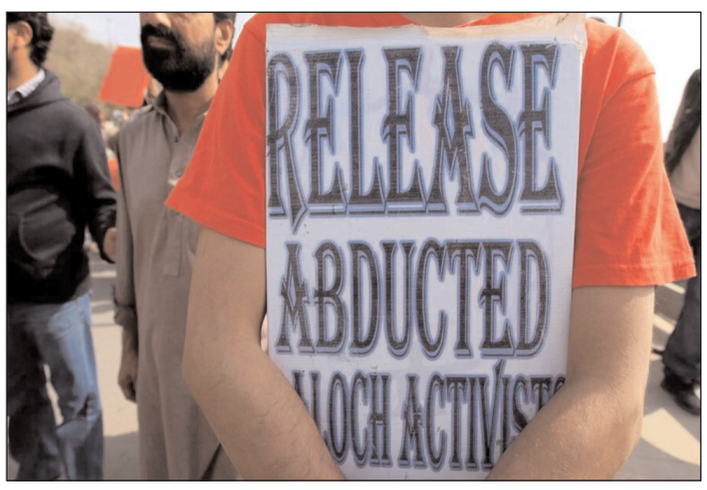

उन्होंने दावा किया कि हनी और हेयरनिसा को इस सप्ताह के प्रारंभ में हुब चौकी में तड़के छापेमारी के दौरान अगवा कर लिया गया था, जबकि अन्य दो को केच जिले से अगवा किया गया था। मंगलवार देर रात, तुरबत के सहायक आयुक्त के नेतृत्व में एक वार्ता दल प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के लिए विरोध स्थल पर पहुंचा। हालांकि, परिवार के सदस्यों ने बताया कि कोई प्रगति नहीं हुई है और सीपीईसी राजमार्ग का अवरोध जारी है, जैसा कि टीबीपी की रिपोर्ट में बताया गया है।

प्रदर्शनकारियों ने घोषणा की कि वे तब तक अपना धरना जारी रखेंगे जब तक कि चारों व्यक्तियों को सुरक्षित वापस नहीं कर दिया जाता। यह प्रदर्शन बलूचिस्तान भर में बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) द्वारा चलाए जा रहे पांच दिवसीय अभियान के साथ हो रहा है, जो बलूच महिलाओं के जबरन गायब होने की बढ़ती घटनाओं को संबोधित करता है। टीबीपी के अनुसार, बलूच कार्यकर्ता और बीवाईसी नेता सम्मी दीन बलूच ने टिप्पणी की कि परिवार के चार सदस्यों का गायब होना महिलाओं और लड़कियों को निशाना बनाने में चिंताजनक वृद्धि का संकेत है।

उन्होंने जोर देकर कहा, "जबरन गुमशुदगी की घटनाएं अब बेहद गंभीर और चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई हैं।" उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हनी दिलवाश और हैरनिसा की लगातार गैर-पुनरावृत्ति ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या बलूचिस्तान में महिलाएं वास्तव में सुरक्षित हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि इस स्थिति ने परिवारों पर काफी मानसिक दबाव डाला है और राज्य पर "संविधान और कानून को दमन के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने" का आरोप लगाया। उन्होंने अंत में कहा, "इन पीड़ित परिवारों के लिए विरोध प्रदर्शन ही एकमात्र विकल्प बचा है।" उन्होंने सभी क्षेत्रों के लोगों से इस परिवार का समर्थन करने और उनके लिए आवाज उठाने का आह्वान किया, जैसा कि टीबीपी रिपोर्ट में कहा गया है।